राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, शनिवार 6 जून, 2026

विचार बिन्दु

उपदेश के बजाय कहीं ज्यादा हम करके सीखते हैं। –बर्क

राजस्थान का पुनर्गठन - सुशासन, क्षेत्रीय आकांक्षाएं और तीव्र विकास की आवश्यकता

राजस्थान 3,42,239 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ भारत का सबसे बड़ा राज्य है। यह देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 10.41% हिस्सा साझा करता है। इतने विशाल भू-भाग को अकेले जयपुर में बैठे प्रशासनिक तंत्र से नियंत्रित करना अत्यंत कठिन है। सुदूर दक्षिण के बांसवाड़ा या धुर पश्चिम के जैसलमेर से राजधानी की दूरी 500 से 600 किलोमीटर है। इस अत्यधिक दूरी के कारण नीतियों का क्रियान्वयन धीमा होता है और आम जनता के लिए सुशासन महज़ एक कागजी नारा बनकर रह जाता है।

वर्ष 2000 में जब मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़, बिहार से झारखंड और उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड को अलग किया गया, तो इसके परिणाम अभूतपूर्व रहे। विभाजन के समय छत्तीसगढ़ एक पिछड़ा इलाका था, लेकिन आज यह देश के शीर्ष बिजली उत्पादक राज्यों में 9वें स्थान पर है। यहाँ की प्रति व्यक्ति आय 12,240 से बढ़कर 1,40,000 से अधिक हो चुकी है, और गरीबी दर 49.4% से घटकर 17.9% पर आ गई है। ये ही स्थिति उतराखंड एवं झारखण्ड की है इन आंकड़ों से यह निष्कर्ष निकलता है कि छोटे राज्य संसाधनों का बेहतर दोहन करने और नीतिगत फैसलों को तेजी से लागू करने में अधिक सक्षम होते हैं।

इसी तर्ज पर दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी अंचल (वागड़ और मेवाड़) में लंबे समय से एक अलग भील प्रदेश की मांग उठ रही है। भारत आदिवासी पार्टी BAP और विभिन्न जनजातीय संगठनों के नेतृत्व में यह आंदोलन वर्तमान में अत्यंत तीव्र हो चुका है। इस अलग राज्य की मांग की जड़ें मानगढ़ धाम से जुड़ी हैं, जहाँ 17 नवंबर 1913 को समाज सुधारक गोविंद गुरु के नेतृत्व में दमनकारी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण सभा कर रहे 1,500 से अधिक निर्दोष भील आदिवासियों को ब्रिटिश सेना ने गोलियों से भून दिया था। इस वीभत्स नरसंहार की उपेक्षा का दर्द आज भी स्थानीय जनता महसूस करती है, क्योंकि दशकों की मांग के बावजूद इसे राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा नहीं मिला है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि यह क्षेत्र जयपुर या दिल्ली की राजनीति से दूर एक अलग राज्य के अधीन होता, तो इस पावन भूमि को यह सम्मान और विकास बहुत पहले मिल चुका होता।

बुनियादी ढांचे की उपेक्षा का सबसे बड़ा उदाहरण रतलाम-बांसवाड़ा-डूंगरपुर रेल लाइन परियोजना है। वर्ष 2011 में इस परियोजना की घोषणा के बाद इसे वित्तीय अड़चनों के कारण ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। यद्यपि रेल मंत्रालय ने हाल ही में नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद-नंदुरबार (380 किमी) के नए रेल ट्रैक के फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए बजट स्वीकृत किया है, लेकिन आजादी के सात दशकों बाद भी बांसवाड़ा जिला भारत के रेल मानचित्र पर अपनी मुख्य पहचान के लिए संघर्ष कर रहा है। यह देरी साबित करती है कि जयपुर की बड़ी राजनीति में सुदूर दक्षिण के इस खनिज, जल और वन संपदा से समृद्ध आदिवासी अंचल की आवाज हमेशा दब जाती है।

छत्तीसगढ़, झारखण्ड और उत्तराखंड की तर्ज पर यदि राजस्थान का भी वैज्ञानिक और प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन किया जाए, तो नए राज्यों को अपनी विशिष्ट समस्याओं के अनुसार बजट, नीतियां और न्यायिक प्रणाली बनाने की आजादी मिलेगी। अब समय आ गया है कि देश के सबसे बड़े राज्य की गरीब जनता के आर्थिक उत्थान, सुलभ न्याय और सुशासन की वास्तविक स्थापना के लिए इस पुनर्गठन पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाए।

इस प्रशासनिक उपेक्षा और भौगोलिक दूरी का सबसे बड़ा खामियाजा यहाँ की जनता को न्यायिक प्रणाली में भुगतना पड़ता है। उदयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ (High Court Bench) स्थापित करने की मांग पिछले साढ़े चार दशकों से लगातार की जा रही है। वर्तमान व्यवस्था के तहत मेवाड़ और वागड़ (उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, राजसमंद) के गरीब आदिवासियों और आम नागरिकों को अपने छोटे-बड़े मुकदमों की पैरवी के लिए 500 से 550 किलोमीटर दूर जोधपुर स्थित मुख्य पीठ जाना पड़ता है। मेवाड़-वागड़ हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति और बार एसोसिएशन के तत्वावधान में अधिवक्ता व स्थानीय जनता लंबे समय से आंदोलनरत हैं, भूख हड़तालें कर रहे हैं और हर महीने की 7 तारीख को न्यायिक कार्यों का बहिष्कार करते हैं। आजादी से पहले उदयपुर (मेवाड़ राज्य) का अपना स्वतंत्र उच्च न्यायालय था, लेकिन एकीकरण के बाद इस अधिकार को छीन लिया गया। एक ओर जहाँ राजधानी जयपुर में 1977 में पुनः पीठ स्थापित कर दी गई, वहीं देश के सबसे बड़े आदिवासी बहुल संभाग को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय देने के नाम पर दशकों से केवल आश्वासन मिल रहे हैं। यह विडंबना दर्शाती है कि जब तक इस अंचल का अपना स्वतंत्र प्रशासनिक ढांचा नहीं होगा, तब तक न्याय और विकास दोनों आम जन की पहुँच से दूर रहेंगे।

ठीक इसी तरह, पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान को अलग कर मरु प्रदेश बनाने की मांग भी राजस्थान के एकीकरण (1956) के समय से ही समय-समय पर उठती रही है। प्रस्तावित मरु प्रदेश का क्षेत्रफल लगभग 2,13,887 वर्ग किलोमीटर होगा, जो कि वर्तमान राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग 62% है और इसकी आबादी 2.81 करोड़ से अधिक है। इसमें राजस्थान के लगभग 13 से 20 जिले शामिल हैं। यह क्षेत्र अब देश का बड़ा पेट्रोलियम, क्रूड ऑयल, प्राकृतिक गैस (बाड़मेर-जैसलमेर बेसिन) और सौर ऊर्जा का हब बन चुका है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि मरुस्थलीय क्षेत्र से भरपूर राजस्व लेने के बावजूद यहाँ की बुनियादी सुविधाओं के विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता और विशाल आकार के कारण जयपुर में बैठे अधिकारियों को मरुस्थल की जमीनी विवशताओं का सही आकलन नहीं हो पाता है।

अंततः, राजस्थान का विभाजन कोई राजनीतिक बिखराव नहीं, बल्कि प्रशासनिक विकेंद्रीकरण (Administrative Decentralization) की एक तार्किक आवश्यकता है। जब तक सत्ता और न्याय का केंद्र (राजधानी और उच्च न्यायालय) जनता के भौगोलिक रूप से करीब नहीं होगा, तब तक अंतिम छोर पर बैठे गरीब और आदिवासी नागरिक को उसका हक नहीं मिल पाएगा। छत्तीसगढ़, झारखण्ड और उत्तराखंड की तर्ज पर यदि राजस्थान का भी वैज्ञानिक और प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन किया जाए, तो नए राज्यों को अपनी विशिष्ट समस्याओं के अनुसार बजट, नीतियां और न्यायिक प्रणाली बनाने की आजादी मिलेगी। अब समय आ गया है कि देश के सबसे बड़े राज्य की गरीब जनता के आर्थिक उत्थान, सुलभ न्याय और सुशासन की वास्तविक स्थापना के लिए इस पुनर्गठन पर राष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाए।

–अतिथि सम्पादक,
डा. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्य मृदा वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल शनिवार 6 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र प्रातः 6:03 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 10:04 तक, गर करण दिन 2:01 तक, चन्द्रमा आज सायं 7:04 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 6:03 तक है। रवियोग प्रातः 6:07 से आरम्भ होगा। द्विपुष्कर योग रात्रि 2:42 से आरम्भ होगा। आज भद्रा रात्रि 2:42 से आरम्भ होगी। पंचक सायं 7:04 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:19 से 9:01तक, चर 12:25 से 2:08 तक, लाभ अमृत 2:08 से 5:32 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:14

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह
अस्त-व्यस्त दिनचर्या एवं स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

धनु
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

जरूरी है जल-संकट से मुक्ति

डॉ. अरुणा व्यास

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" धीरे-धीरे जन आंदोलन बनता जा रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि इस अभियान के तहत मुख्यमंत्री की पहल पर 2 लाख 67 हजार 837 जल संचयन कार्यों को प्रारंभ किया गया और निंरतर मोनिटरिंग करते हुए इन्हें पूरा किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सघ ने हाल ही अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पानी की बर्बादी को समय रहते नहीं रोका गया तो विश्व गंभीर जल संकट के दौर से गुजरेगा। कृषि की बढ़ती जरूरतों, खाद्यान उत्पादन, ऊर्जा उपभोग, प्रदूषण और जल प्रबंधन की कमजोरियों की वजह से स्वच्छ जल पर निरंतर दबाव बढ़ रहा है। राजस्थान वैसे भी बहुत कम वर्षा और जल क्षेत्र में अभावों से जूझता प्रदेश रहा है। इस दृष्टि से 'वंदे गंगा जल संरक्षण' अभियान दीर्घकालीन रूप में राजस्थान को जल संकट से जूझने के साथ जल संरक्षा में अग्रणी करेगा।

हमारे देश का जल प्रबंधन रिकॉर्ड भी खास कोई अच्छा नहीं है। खासकर जलवायु परिवर्तन के इस दौर में भी जल प्रबंधन की दिशा में हमारे यहां अभी भी खास कोई काम हो नहीं रहा है। उलटे जल, जंगल, जमीन, हवा और जैव विविधता का जितना नुकसान पिछले कुछ वर्षों में हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। देश में उपलब्ध जल संसाधनों का बड़ा हिस्सा आज भी खेती में जाता है, पीने के पानी का ही जब संकट है तो समझा जा सकता है कि खेती के लिये पानी की स्थिति आने वाले समय में क्या रहने वाली है।

जल संकट कोई नई समस्या नहीं है परन्तु तमाम विकास के बावजूद जल प्रबंधन की दिशा में देश अभी भी बेहद पिछड़ा हुआ है। ऐसा भी नहीं है कि प्रबंध की दक्षता का हमारे यहां अभाव है परन्तु सुलझी हुई सोच से न जाने क्यों जल प्रबंधन को हमने अपनी प्राथमिकता में रखा ही नहीं है। सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद्, लेखक अनुपम मिश्र की पुस्तक 'आज भी खरे हैं तालाब' बहुत अधिक लोकप्रिय हुई है। इसे उन्होंने जल संरक्षण प्रेरणा के आलोक में कॉपीराईट मुक्त कर दिया था। जल संकट के इस दौर में इस पुस्तक को हर आम और खास को एक बार जरूर पढ़ना चाहिए।

इसलिये कि इसमें जल संस्कृति संरक्षण की हमारी समृद्ध परम्परा का ही आख्यान नहीं है बल्कि ऐसे दृश्यालेख हैं जिनसे पानी बचाने, संग्रहित करने के लिये स्वयमेव प्रेरित हुआ जा सकता है। अनुपम मिश्र अपने लिखे में आंकड़ों, तथ्यों और महत्वपूर्ण शोध निष्कर्ष तो रखते हैं परन्तु किस्सागोई में। पुस्तक में तालाबों की हमारी संस्कृति का जो लेखा-जोखा है, वह वर्तमान समय के जल संकट का हल सुझाता नये सिरे से इस संस्कृति पर फिर से विचार करने पर मजबूर करता है।

पुस्तक की एक इकाई का आरंभ इस प्रश्न से है, 'कौन थे अनाम लोग?' पाठक चौंकेंगे परन्तु फिर लेखक इसका उत्तर खुद ही अगली पंक्ति में देते हुए कहता है, "सैकड़ो, हजारों तालाब अचानक शून्य से प्रकट नहीं हुए थे। इनके पीछे एक इकाई थी बनवाने वालों की तो दहाई थी बनाने वालों की। यह इकाई, दहाई मिलकर सैकड़ा, हजार बनती थी। लेकिन पिछले 200 बरसों में नए किस्म की थोड़ी सी पढ़ाई पढ गए समाज ने इस इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार को शून्य ही बना दिया। इस नये समाज के मन में इतनी भी उत्सुकता नहीं बची कि उससे पहले के दौर में इतने सारे तालाब भला कौन बनाता था।" सोचिए! जिस देश में पानी सहेजने के लिये तालाबों की लूंठी-अलूंठी परम्परा रही है, वहां आज तालाब बनना तो दूर पहले के जो तालाब बने थे, उन्हें मिटाकर जल संरक्षण की हमारी संस्कृति का ही विलोप किया जा रहा है। परम्परा से बने बहुत से तालाब अभी भी अपना वजूद रखे हुए हैं परन्तु विडम्बना यह भी है कि वहां पानी आने की कोई व्यवस्था नहीं है। उनकी आगोर भूमि पर आबादी बस गयी है या फिर तमाम जल आवागमन के रास्ते अवरूद्ध कर दिये गये हैं।

जल संरक्षण के लिये तालाबों के निर्माण, बावड़ियों के विकास और उसमे समाज की भूमिका पर देशभर में घुम-फिर कर आख्यान संजोते लेखक ने जल प्रबंधन की सोच के साथ ही तालाबों की संस्कृति से विमुख होते जा रहे समाज की नब्ज को भी टटोला है। जल संरक्षण के प्रतीक तालाबों से कैसे हुआ समाज विमुख? इसकी रोचक दास्तां अनुपम मिश्र के शब्दों में, '...राज बदला। अंग्रेज आए। सबसे पहले उन्होंने इस फिजूलखर्ची को रोका और सन् 1831 में राज की ओर से तालाबों के लिए दी जाने वाली राशि को काटकर एकदम आधा कर दिया। अगले 32 बरस तक नए राज की कंजूसी को समाज अपनी उदारता से ढककर रखे रहा। तालाब लोगों के थे, सो राज से मिलने वाली मदद के कम हो जाने, कहीं कहीं बंद हो जाने के बाद भी समाज तालाबों को संभाले रहा। बरसों पुरानी स्मृति ऐसे ही नहीं मिट जाती।....उसी दौर में दिल्ली में नल लगने लगे थे। इसके विरोध की एक हल्की सुरीली सी आवाज सन् 1900 के आस-पास विवाहों के अवसर पर गाई जाने वाली 'गारियों, विवाह-गीतों' में दिखी थी। बारात जब पंगत में बैठती तो स्त्रियां "फिरंगी नल मत लगवाय दियो' गीत गाती। लेकिन नल लगते गए और जगह-जगह बने तालाब, कुंए और बावड़ियों के बदले अंग्रेज द्वारा नियंत्रित 'वाटर वर्क्स' से पानी आने लगा।"

कभी हमारे यहां अच्छे कार्य करने का मापदंड तालाब बनाने से था। इसीलिये पुस्तक के आरंभ के एक किस्से में कुड़न किसान की कहानी मन को छू लेती है।' पाटन क्षेत्र के चार बहुत बड़े तालाबों को इस कहानी से जोड़ते मिश्र तालाबों की संस्कृति को आगे बढ़ाते हैं। किस्से दर किस्सों में वह बताते जाते हैं कि किसी तालाब को राजा ने बनाया तो किसी को रानी ने, किसी को साधारण गृहस्थ ने, विधवा ने बनाया तो किसी को किसी असाधारण साधु-संत ने-जिस किसी ने भी तालाब बनाया, वह महाराज या महात्मा कहलाया। एक कृतज्ञ समाज तालाब बनाने वालों को अमर बनाता था और लोग भी तालाब बनाकर समाज के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते थे।

तब तालाब बनते थे, वर्षा के समय उनमें पानी आता था...लबालब जब तालाब भरते तो बाकायदा वह उत्सव बन जाता। तालाब का पूरा भरना, सिर्फ एक घटना नहीं आनंद होता, मंगलसूचक होता, उत्सव होता। महोत्सव होता। यह प्रजा और राजा को घाट तक ले आता। तालाब नहीं वह पानी का महत्व था। पानी संरक्षण की सोच के ऐसे उत्सव से ही तो बना हमारा यह समाज। इसलिये कि तब लोग अच्छे अच्छे काम करते जाते थे। लेखक के अनुसार इस सदी के प्रारंभ तक आषाढ़ के पहले दिन से भादो के अंतिम दिन तक कोई 11 या 12 लाख तालाब भर जाते थे-और अगले जेठ तक वरूण देवता का कुछ न कुछ प्रसाद बांटते रहते थे। और अब हाल यह है कि इनमें से चौथाई तालाब ही बचे नहीं है। जब तालाब ही नहीं है तो वर्षा से जो जल बरसता है, उसके संरक्षण की तो बात ही कहां की जा सकती है!

तालाबों की हमारी संस्कृति सभ्यता के वजूद से जुड़ी रही है। आज सभ्यता जल संकट से ही जूझ रही है। इस दौर में हमारी तालाब संस्कृति के जरिये जल संरक्षण को फिर से जीवंत कर हम जल समस्या का बड़े स्तर पर निदान कर सकते हैं। कल नहीं, आज ही इस पर विचारने की जरूरत है। मानसून से पहले तालाबों के हमारे अतीत में जाकर हम यदि जल संरक्षण के लिए प्रयास करते हैं तो बरखा के पानी को ही सहेज नहीं पाएंगे बल्कि भविष्य के जल-संकट से मुक्ति में भी अपना सहयोग दे सकेंगें।

-डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

स्वधर्म, स्वभाषा और स्वराज्य : शिव राज्याभिषेक का वैश्विक संदेश

डॉ. विशाला शर्मा

शिवराज्याभिषेक दिवस भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है, जो मात्र एक सम्राट के राजतिलक का उत्सव नहीं, अपितु विदेशी पराधीनता की कटीली जंजीरों के विरुद्ध राष्ट्र के स्वाभिमान, शाश्वत न्याय और लोक-कल्याणकारी सुशासन के उदय का पावन शंखनाद है। सन् 1674 की वह ऐतिहासिक ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी, जब दुर्गराज रायगढ़ की प्राचीरें छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्यारोहण की साक्षी बनीं, वास्तव में काल के कपाल पर अंकित एक युगपरिवर्तनीय क्षण था। इसी पावन बेला में हिंदवी स्वराज्य की दिव्य संकल्पना ने एक संप्रभु और अखंड राष्ट्र के रूप में आकार लिया, जिसने सदियों की अंधियारी दासता को चीरकर स्वतंत्रता के एक नए स्वर्णिम युग का सूत्रपात किया। न्याय और धर्म की स्थापना और अपने राज्य को एक स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दिलाने हेतु छत्रपति शिवाजी महाराज ने संपूर्ण जीवन पर्यन्त प्रयास किया। आपका अवतरण उस युग की महती आवश्यकता था, जब विदेशी आक्रांताओं और आदिलशाही कुतुबशाही सुल्तानों के अत्याचारों से त्रस्त होकर संपूर्ण वसुंधरा कराह रही थी।

उन्होंने मुगलों की क्रूर नीतियों और धार्मिक कट्टरता को पराजित कर सनातन संस्कृति, संतों और मंदिरों की रक्षा की और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का शंखनाद किया। उनके स्वराज्य में न्याय केवल शक्तिशालियों के लिए नहीं, बल्कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए भी सुलभ था। युगप्रवर्तक छत्रपति शिवाजी महाराज के हृदय में अपनी प्रजा के प्रति शासक का नहीं, अपितु एक वात्सल्यमयी पिता का भाव था। उनके साम्राज्य में रैयत केवल जनमानस नहीं, बल्कि उनकी अपनी संतान थी; जहाँ कृषकों का पसीना, व्यापारियों की समृद्धि और महिलाओं का स्वाभिमान राज्य की संप्रभुता के सर्वोच्च स्तंभ थे। जन-कल्याण और लोक-हित के प्रति उनकी यही निष्ठा आज भी संपूर्ण विश्व में एक आदर्श शासक के रूप में वंदनीय है।

उनका अनुशासन ऐसा था कि रणचंडी के आव्हान पर भी सैनिकों को नीति का पाठ स्मरण रहता था युद्ध की विभीषिका में भी हरी-भरी फसलें अक्षुण्ण रहती थीं। और शत्रु पक्ष की भी महिलाएँ व बालक पूर्णतः सुरक्षित और सम्मानित थे। नर्तकी या दासी को ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध थे। युद्ध के दौरान धार्मिक स्थलों को हाथ भी नहीं लगाया जाता था। जब प्रकृति ने सूखे और अकाल का वज्रपात किया, महाराज ने प्रजा पर करों का बोझ लादने के बजाय उनके आँसू पोंछे, किसानों को लगान मुक्त किए और उन्हें नव-जीवन देने के लिए बीज व बैल निःशुल्क उपलब्ध कराए। वे केवल भूमि के विजेता नहीं, अपितु कोटि-कोटि हृदयों के अधिपति थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन केवल युद्धों और विजयों की गाथा नहीं है, बल्कि यह एक लोक-कल्याणकारी, न्यायप्रिय और दूरदर्शी शासन व्यवस्था का स्वर्णिम दस्तावेज है। उनका हिंदवी स्वराज्य केवल एक राजनीतिक सत्ता नहीं, बल्कि स्वाभिमान, राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का एक जीवंत महाकाव्य था। उनकी इस गौरवशाली प्रशासनिक और रणनीतिक यात्रा में कार्यकुशलता के लिए उन्होंने आठ मंत्रियों की एक परिषद बनाई, जिसे अष्टप्रधान मंडल कहा जाता था। यह आधुनिक कैबिनेट व्यवस्था का शुरुआती रूप था।

जागीरदारी प्रथा को समाप्त कर अधिकारियों को नकद वेतन देने की शुरुआत की, जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगी। उन्होंने न केवल अभेद्य किलों का निर्माण किया, बल्कि भारत की पहली आधुनिक नौसेना भी खड़ी की, जिसके कारण उन्हें भारतीय नौसेना का जनक कहा जाता है। महाराज का लक्ष्य किसी एक संप्रदाय का राज्य स्थापित करना नहीं, बल्कि इस भूमि के मूल निवासियों को अपनी नियति खुद तय करने का अधिकार देना था।अपने फारसी भाषा के स्थान पर राज्य व्यवहार कोष बनवा कर संस्कृत और स्थानीय भाषाओं एवं मराठी को प्रशासनिक बढ़ावा दिया। मुगलों की विशाल सेना के सामने गुरिल्ला युद्ध नीति का उपयोग कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि संकल्प और रणनीति से किसी भी बड़ी शक्ति को झुकाया जा सकता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित सुशासन, राष्ट्रभक्ति और जनकल्याण के आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब नेतृत्व निःस्वार्थ, पराक्रमी और न्यायप्रिय हो, तो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी एक अजेय और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज का शासनकाल महिला अधिकारों और उनकी गरिमा की रक्षा के लिए इतिहास में मील का पत्थर माना जाता है। उनके राज्य में महिलाओं की सुरक्षा केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक सर्वोच्च संस्कार था। महिला उत्पीड़न, शीलभंग या उनके अपहरण के खिलाफ शून्य-सहनशीलता की नीति अपनाई थी। दोषी पाए जाने पर अपराधियों को मृत्युदंड या हाथ-पैर काटने जैसे अत्यंत कठोर दंड दिए जाते थे, चाहे वह अपराधी कितना भी बड़ा अधिकारी या सैनिक क्यों न हो। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गाँव के मुखिया का मामला है। जब उसने एक असहाय महिला के साथ दुर्व्यवहार किया, तो महाराज ने बिना किसी देरी के उसके दोनों हाथ और पैर काटने का आदेश दिया था। इस एक फैसले ने पूरे राज्य में अपराधियों के भीतर खौफ पैदा कर दिया था। युद्ध के मैदान में भी महाराज का नैतिकता का नियम लागू रहता था। कल्याण के सूबेदार की बहू का प्रसंग जगप्रसिद्ध है। जब मराठा सेना ने कल्याण पर विजय प्राप्त की और सूबेदार की सुंदर बहू को महाराज के सामने उपहार के रूप में पेश किया, तो महाराज ने उसे अपनी माता के समान बताते हुए ससम्मान और आभूषणों के साथ उसके परिवार के पास वापस भेज दिया।

शिवाजी महाराज भली-भांति जानते थे कि स्वराज्य की असली ताकत खेतों में काम करने वाला किसान है। उन्होंने मुगलों की उस दमनकारी व्यवस्था को उखाड़ फेंका जो किसानों का खून चूसती थी। महाराज का अपनी सेना को स्पष्ट और लिखित निर्देश था कि युद्ध के दौरान किसी भी किसान की खड़ी फसल को नुकसान नहीं पहुँचना चाहिए। यहाँ तक कि सैनिकों को अपने घोड़ों के लिए चारा भी किसानों से उचित मूल्य देकर खरीदने का आदेश था, वे जबरन कुछ नहीं ले सकते थे। पारदर्शी और उदार कर प्रणाली उन्होंने जागीरदारी और जमींदारी प्रथा को समाप्त कर दिया, जो किसानों का शोषण करती थी। सरकार सीधे किसानों से संपर्क करती थी। यदि किसी वर्ष अकाल पड़ता या फसल नष्ट हो जाती, तो महाराज उस क्षेत्र का पूरा लगान माफ कर देते थे। अकाल या युद्ध से प्रभावित किसानों को दोबारा खेती शुरू करने के लिए स्वराज्य की ओर से मुफ्त में बीज, बैल और कृषि उपकरण दिए जाते थे। इसके लिए दिए जाने वाले ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाता था और किसान इसे अपनी सुविधा के अनुसार आसान किस्तों में चुका सकते थे।

महाराज ने हर किले और प्रशासनिक केंद्र पर अनाज के बड़े भंडार बनवाए थे। संकट के समय इन भंडारों को आम जनता और किसानों के लिए खोल दिया जाता था ताकि राज्य में कोई भी भूखा न सोए। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब नेतृत्व निःस्वार्थ, पराक्रमी और न्यायप्रिय हो, तो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी एक अजेय और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। हिंदवी स्वराज्य का अर्थ केवल भौगोलिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सुशासन, महिला सम्मान, धार्मिक सहिष्णुता और किसान कल्याण का एक आदर्श मॉडल था। आज सदियों बाद भी, शिवराय के स्वराज्य के मूल्य हमारे राष्ट्र के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ हैं। उनका यह गौरवशाली इतिहास हमें याद दिलाता है कि जब दृढ़ संकल्प और न्याय की शक्ति साथ मिलती है, तो इतिहास बदला जा सकता है। इसलिए आज का दिन केवल एक तिथि नहीं, भारतीय स्वाभिमान के पुनरुत्थान का दिवस है।

–डॉ. विशाला शर्मा,
प्रोफेसर विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशिका, हिंदी विभाग,
चेतना महाविद्यालय छत्रपति संभाजी नगर

अमरसागर गेट को मिला नया साथी, वर्षों पुराने ट्रैफिक जाम से शहरवासियों को मिली राहत

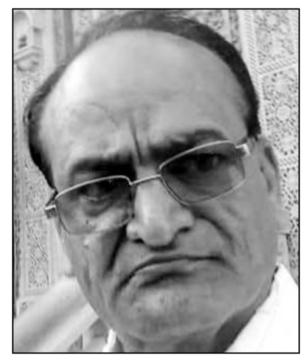

अचलदास डांगरा

जैसलमेर। स्वर्णनगरी जैसलमेर के ऐतिहासिक अमरसागर गेट पर वर्षों से लगने वाला ट्रैफिक जाम आमजन के लिए बड़ी समस्या बना हुआ था। रियासतकाल में निर्मित इस एकमात्र प्रवेश द्वार से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता था। शहर में आने वाले देशी-विदेशी सैलानियों के अलावा कचहरी, जिला अस्पताल और विभिन्न सरकारी कार्यालयों में आने-जाने वाले लोगों को अक्सर लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता था। सुबह और शाम सैर के लिए निकलने वाले नागरिकों को भी इस परेशानी का सामना करना पड़ता था।

शहर की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण अमरसागर गेट पर स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही थी। कई बार जाम इतना लंबा लग जाता था कि लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी देरी होती थी। इससे आमजन के साथ-साथ पर्यटकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता था, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे थे। इसी समस्या के स्थायी समाधान के लिए वर्ष 2011 में तत्कालीन जिला कलेक्टर गिरिराज सिंह कुशवाहा के निर्देश पर तत्कालीन नगर परिषद सभापति अशोक तंवर ने नगर परिषद के सभी पार्षदों की एक विशेष बैठक बुलाई। बैठक में शहर के प्रमुख मार्गों पर बढ़ते यातायात दबाव और अमरसागर गेट पर लगने वाले जाम पर विस्तार से चर्चा की गई।

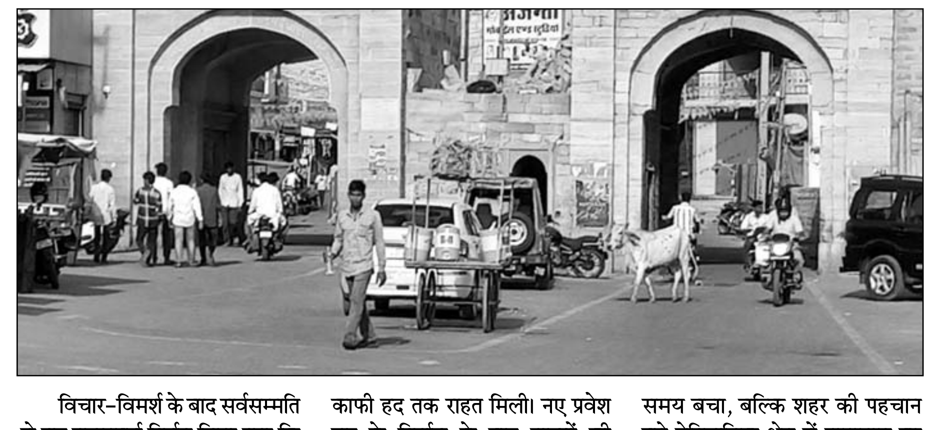

विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि ऐतिहासिक अमरसागर गेट के समानांतर एक और प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जाए, ताकि शहर में आने-जाने वाले वाहनों का दबाव विभाजित हो सके और यातायात व्यवस्था सुचारू बनाई जा सके। इस दूरदर्शी निर्णय के परिणामस्वरूप शहर को एक वैकल्पिक मार्ग मिला, जिससे अमरसागर गेट पर वर्षों से बनी हुई जाम की समस्या में काफी हद तक राहत मिली। नए प्रवेश द्वार के निर्माण के बाद वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित हुई और आमजन, पर्यटकों तथा विभिन्न सरकारी कार्यालयों में आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिलने लगी।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि उस समय लिया गया यह निर्णय जैसलमेर की यातायात व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इससे न केवल लोगों का समय बचा, बल्कि शहर की पहचान बने ऐतिहासिक क्षेत्र में यातायात का दबाव भी कम हुआ। स्वर्णनगरी के विकास की इस कहानी में अमरसागर गेट के समानांतर बने नए प्रवेश द्वार को आज भी एक दूरदर्शी और जनहितकारी पहल के रूप में याद किया जाता है, जिसने हजारों लोगों को रोजाना की परेशानी से राहत दिलाई।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 232 प्रभात कोटा, शनिवार 6 जून, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

प.बंगाल में भाजपा ने अपनी पूर्ण विजय को ''सील'' किया

कलकत्ता नगर निगम को भी टीएमसी के नियंत्रण से मुक्त कराया

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 5 जून। द्वितीय विश्व युद्ध का अंत तब हुआ था, जब मित्र देशों की सेनाएं 1945-46 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन पहुँचीं।

बंगाल में भाजपा की पूर्ण जीत पर उस समय मुहर लग गई जब उसने एक तरह से कलकत्ता पर कब्जा कर लिया। कलकत्ता कॉरपोरेशन के मेयर फिरहाद हकीम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने उस ऐतिहासिक कक्ष में अपना पद छोड़ा, जहां कभी सुभाष चंद्र बोस मेयर की प्रतिष्ठित कुर्सी पर बैठे थे।

''देशबंधु'' के नाम से प्रसिद्ध चितरंजन दास भी इसी मेयर की कुर्सी पर बैठे थे। एस्प्लनेड स्थित कलकत्ता कॉरपोरेशन का मुख्यालय, जिसे ''बड़ा लालबाड़ी,'' यानी ''राइटर्स बिल्डिंग'' की तुलना में ''छोटा लालबाड़ी'' कहा जाता है, अब भाजपा के हाथों में जा रहा है।

हकीम द्वारा मेयर पद से इस्तीफा देने के साथ ही नगर निगम ने निगम बोर्ड को भंग करने की तैयारी शुरू कर दी है।

- **फिरहाद हाकिम ने मेयर के पद से इस्तीफा दे दिया है और कमिश्नर नगर निगम को भंग करने जा रहे हैं।**
- **कलकत्ता के लोगों ने फिरहाद हाकिम के इस्तीफे पर खुशी जताई और उनकी कई शिकायतें कीं। बताया जाता है कि फिरहाद हाकिम ने एक बार कहा था कि हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि वे मुस्लिम परिवार में पैदा नहीं हुए हैं।**
- **पूर्ण बंगाल विजय का दूसरा चरण नई दिल्ली में चल रहा है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद लोकसभा स्पीकर से मिलकर अलग गुट के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग कर रहे हैं।**
- **चर्चा है कि सांसद शुभेन्दु सेखर रॉय को इस गुट का नेता बनाया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि सेखर के पिता श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ काम कर चुके हैं और प्र.मंत्री मोदी ने माल्दा में एक रैली में उनकी तारीफ भी की थी।**
- **अगर तृणमूल सांसद अलग गुट बना लेते हैं तो इससे भविष्य में महत्वपूर्ण बिल पारित कराने में भाजपा को भारी मदद मिलेगी।**

कलकत्ता कॉरपोरेशन के आयुक्त अब निगम बोर्ड को भंग कर प्रशासन अपने हाथ में लेने की तैयारी कर रहे हैं।

कट्टर कलकत्ता प्रेमी अब सामने आकर मेयर के कार्यकाल के दौरान उनके आचरण की तीखी आलोचना कर रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि अपने प्रभावशाली दौर में फिरहाद हकीम ने कलकत्ता कॉरपोरेशन की परंपराओं का सम्मान नहीं किया।

उनके विरोधियों का आरोप है कि पद पर रहते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की थी कि बहुसंख्यक हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि उनका जन्म मुस्लिम परिवार में नहीं हुआ। इस टिप्पणी से बहुसंख्यक समुदाय में व्यापक नाराजगी पैदा हुई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साइबर अपराध मामलों में ईडी ने राजस्थान-पंजाब में छापे मारे

जयपुर। साइबर ठगी के जरिए अर्जित काली कमाई और फर्जी सिम कार्ड नेटवर्क के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को राजस्थान और पंजाब में बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीमों ने राजस्थान के जोधपुर, नागौर और किशनगढ़ सहित पंजाब के लुधियाना में कुल सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

ईडी सूत्रों के अनुसार कार्रवाई जोधपुर के बासनी स्थित साइबर क्राइम शाखा में दर्ज एक मामले के आधार पर की गई। जांच में सामने आया कि बड़ी संख्या में मोबाइल सिम कार्ड खरीदे जा रहे थे और बाद में उन्हें साइबर अपराधियों को बेचा जा रहा था। इन सिम कार्डों का उपयोग ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉलिंग और अन्य साइबर अपराधों में किया जा रहा था।

- **जोधपुर में तीन, नागौर में दो तथा किशनगढ़ में एक स्थान पर छापों में अपराध से जुड़े दस्तावेजों, उपकरणों आदि की जाँच की गई।**

जानकारी के अनुसार जोधपुर में तीन, नागौर में दो तथा किशनगढ़ और पंजाब के लुधियाना में एक-एक स्थान पर ईडी की टीमों ने दबिश दी।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क के तार विदेशों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

15 दिन पुराने सीजेपी मूवमैंट को नामचीन हस्तियों का समर्थन मिला

इनमें सोनम वांगचुक, एक्टर प्रकाश राज व शिव सेना के आदित्य ठाकरे आदि नाम शामिल हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जून। पंद्रह दिन पुराना ऑनलाइन आंदोलन, कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) कई प्रमुख समर्थकों को आकर्षित कर चुका है। इनमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, अभिनेता प्रकाश राज और शिव सेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे शामिल हैं।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार को नई दिल्ली पहुंच रहे हैं, और उनका इरादा शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का है। यह विरोध नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के कारण 3 मई को परीक्षा रद्द होने और 21 जून को पुनः परीक्षा की घोषणा के बाद किया जा रहा है। ऐसी संभावना कम है कि केन्द्र सरकार दिपके और उनके तेजी से बढ़ते समर्थकों को शनिवार को प्रदर्शन की अनुमति देगी।

यूएस से उड़ान भरने से पहले दिपके ने समर्थकों से अपील की कि वे दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने न आएं। उन्होंने कहा कि वे संविधान पर भरोसा रख रहे हैं और संभावित गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पिछले महीने सैटायरिकल डिजिटल आंदोलन के आधिकारिक एक्स अकाउंट को आईटी एक्ट की धारा 69 के तहत ब्लॉक कर दिया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह कदम इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट के आधार पर उठाया, जिसमें कहा गया कि यह अकाउंट राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करता है।

- **वांगचुक ने 6 जून के जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा कर दी है और एक्टर प्रकाश राज भी प्रदर्शन में शामिल हो सकते हैं।**
- **इसके अलावा टीएमसी की महुआ मोईत्रा और कीर्ति आज़ाद ने भी सीजेपी को समर्थन दिया है। यह भी कहा जा रहा है कि संविधान क्लब में सीजेपी की प्रैस कान्फ्रैंस के लिए आरजेडी के मनोज झा ने आर्थिक सहायता दी थी। हालांकि झा ने इससे इन्कार किया और कहा कि उन्होंने सिर्फ सिफारिशी चिट्ठी लिखी थी।**

इस बीच, वांगचुक ने घोषणा की है कि अगर धर्मेन्द्र प्रधान उस तारीख तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो वे जंतर मंतर में सीजेपी के विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। अभिनेता प्रकाश राज ने कहा कि वे 6 जून से पहले दिल्ली पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इस अभियान को ''सबसे प्रासंगिक कॉक्रोच आंदोलन'' बताया। शिव सेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने भी इसका समर्थन व्यक्त किया।

सीजेपी को समर्थन देने वाले अन्य प्रमुख व्यक्तियों में तृणमूल कांग्रेस के नेता महुआ मोइत्रा और कीर्ति आज़ाद शामिल हैं। इसके अलावा, यह भी अटकलें हैं कि आरजेडी सांसद मनोज झा ने बुधवार को संविधान क्लब में आयोजित सीजेपी प्रेस कॉन्फ्रेंस को वित्तीय सहयोग दिया। लेकिन झा ने इसे नकारते हुए कहा कि उन्होंने केवल प्रेस मीट के लिए संविधान क्लब में जगह बुक कराने हेतु सिफारिश पत्र भेजा था।

क्या संवर्धित यूरेनियम को ईरान से बाहर ले जाने की शर्त छोड़ दी है ट्रंप ने?

''पल में तोला पल में माशा'' कहावत को चरितार्थ करने वाले ट्रंप ने यह कहकर सभी को हैरान कर दिया कि संवर्धित यूरेनियम को ईरान से बाहर ले जाने का मुद्दा ''दफन'' हो चुका है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 5 जून। एक और हैरान करने वाले बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन को ईरान के साथ ऐसे शांति समझौते की जरूरत नहीं है, जिसमें इस्लामी गणराज्य के संवर्धित यूरेनियम (एनरिच्ड यूरेनियम) को देश से बाहर ले जाने की शर्त हो। उन्होंने यह भी कहा कि यदि दोनों देशों के बीच समझौता हो जाता है, तो ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलना उनके लिए ''सम्मान की बात'' होगी। अपने हमेशा

- **अपने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना द्वारा संवर्धित यूरेनियम ईरान से बाहर जाने का विचार उन्हें पसंद नहीं है। ट्रंप की इस टिप्पणी ने सभी को हतप्रभ कर दिया, क्योंकि पूर्व में कई बार ट्रंप ने कहा था, अगर ईरान ने यूरेनियम नहीं ले जाने दिया तो वे उसका नामोनिशान मिटा देंगे।**
- **ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर दोनों देशों के बीच डील हो गई तो वे ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा से मिलना चाहेंगे और यह उनके लिए सम्मान की बात होगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने जल जीवन मिशन की सुनवाई एसीबी-2 को भेजी

जयपुर, 5 जून। जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में अब एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 सुनवाई करेगी। एसीबी कोर्ट-1 के पीठासीन अधिकारी की ओर से इस संबंध में हाईकोर्ट को पत्र लिखकर केस ट्रांसफर करने की गुहार की गई थी। इसके बाद, हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से मामले को लेकर एसीबी कोर्ट में लंबित मामलों को क्रम-2 कोर्ट में सुनवाई के लिए भेज दिया है, जहां अदालत मामले की सुनवाई 8 जून से करेगी। वहीं तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य पीएचईडी सचिव और रिटायर आईएएस सुबोध अग्रवाल की जमानत अर्जी पर भी अब 8 जून को सुनवाई होगी।

- **एसीबी कोर्ट-1 के पीठासीन अधिकारी ने हाई कोर्ट को पत्र लिखकर केस ट्रांसफर करने की प्रार्थना की थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार बनाने के साथ ही मुश्किल शुरु हुई शिवकुमार की

शपथ लेने के दो दिन बाद ही एक वरिष्ठ मंत्री ने इस्तीफा दिया व कई अन्य ने विभाग के प्रति असंतोष जताया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 जून। कर्नाटक के एक मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है तो कई अन्य मंत्री बेहतर विभाग की मांग कर रहे हैं, एक वरिष्ठ नेता उपेक्षा से नाराज़ हैं, मुस्लिम नेताओं ने मंत्रिमंडल में बेहतर प्रतिनिधित्व की मांग उठाई है, और महिलाओं को प्रतिनिधित्व न मिलने पर भी आलोचना हो रही है। तीन दिन पुरानी डीके शिवकुमार सरकार आंतरिक राजनीतिक संकट में घिर गई है।

अब तक चार मंत्रियों ने हालात को लेकर अपनी नाराज़गी जताई है। पहला झटका शुक्रवार सुबह तब लगा, जब मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने यह कहते हुए इस्तीफा भेज दिया कि उन्हें आवंटित विभाग से वे असंतुष्ट हैं। इसके तुरंत बाद नई सरकार के दूसरे मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने भी अपने मंत्रालय को लेकर असंतोष व्यक्त किया। इसके बाद असंतोष का स्वर और तेज हो गया। मंत्री के.जे. जॉर्ज अपने विभाग में कथित ''हस्तक्षेप'' से नाराज़ बताए जा रहे हैं, जबकि सतीश जारकीहोली ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी महत्वाकांक्षा केवल मंत्री पद तक सीमित नहीं थी।

- **वरिष्ठ मंत्री रामलिंगा रेड्डी को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मिला है, उन्होंने कहा कि वरिष्ठतम नेता होने के नाते उन्हें बेहतर विभाग मिलना चाहिए। रेड्डी ने कहा, उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग देने का वादा किया गया था।**
- **एक अन्य मंत्री, के.एच. मुनिपप्पा, जो सात बार कोलार सीट से सांसद रहे हैं और वर्तमान में देवन हल्ली से विधायक हैं, ने विभाग के प्रति नाराज़गी जताई। एक अन्य विधायक के.जे. जॉर्ज अपने विभाग में किए जा रहे तबादलों से नाराज़ हैं।**
- **वहीं सतीश जारकीहोली को हालांकि उनका सार्वजनिक निर्माण विभाग पुनः मिल गया, पर, उनकी इच्छा प्रदेश अध्यक्ष बनने की भी है।**

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग पाने वाले मुनियप्पा ने कहा कि पार्टी के ''सबसे वरिष्ठ'' नेताओं में से एक होने के नाते, वे इससे बेहतर विभाग के हकदार थे।

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने अपनी अपेक्षाओं के बारे में राहुल गांधी सहित, पार्टी नेतृत्व को पहले ही अवगत करा दिया था।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे दिए गए विभाग से नाराज़ हैं, तो मुनियप्पा ने कहा कि उन्हें ऐसा ''महत्वपूर्ण विभाग'' दिया जाना चाहिए जहाँ वे जनता के लिए बेहतर ढंग से काम कर सकें।

के.एच. मुनियप्पा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और कोलार लोकसभा सीट से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खड़गे ने राज्यसभा का नामांकन भरा

बेंगलुरु, 05 जून (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

- **राहुल गांधी, वेणुगोपाल, डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया, सुरजेवाला आदि नामांकन के समय मौजूद थे।**

राज्यसभा चुनाव 18 जून को होना है। नामांकन दाखिल करने के दौरान, केसी वेणुगोपाल, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद सहित, अनेक प्रमुख नेता उपस्थित थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकारी बॉण्ड में निवेश करने वाले विदेशी निवेशकों को वित्त मंत्रालय ने दी भारी टैक्स छूट

ईरान युद्ध, महंगा तेल, रूपये की गिरती कीमत और तीन दिन में विदेशी निवेशकों द्वारा 34,000 करोड़ रुपये निकाला जाना है इस फैसले की बुनियाद

-कार्यालय संवाददाता-

नई दिल्ली, 5 जून। वैश्विक पूंजी को आकर्षित करते हुए, सरकार ने सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले विदेशी निवेश संस्थानों (एफपीआई) द्वारा किए गए निवेशों पर लागू कर व्यवस्था को युक्ति संगत बनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत, ऐसे निवेशों को ब्याज या पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दी जाएगी। इस कदम से सरकारी प्रतिभूतियों पर कराधान व्यवस्था कई तुलनीय देशों के अनुरूप हो जाएगी।

यह छूट 01 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी। इसका अर्थ है कि जी-सेक (गवरमैंट सैक्टर बॉण्ड) में निवेश से जुड़े मामलों में एफपीआई को 01 अप्रैल 2026 या उसके बाद प्राप्त होने वाले किसी भी तरह के ब्याज या पूंजीगत लाभ पर यह छूट लागू होगी।

सरकार ने दीर्घकालिक एवं स्थिर पूंजी आकर्षित करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों पर पूंजीगत लाभ कर हटाने का फैसला किया है, क्योंकि इन माध्यमों की अवधि लंबी होती है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब विदेशी निवेशकों ने इस वर्ष अब तक स्थानीय शेयर बाजार से 2.6 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं, जो 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। इसकी वजह वैश्विक अनिश्चितता रही है। केवल जून के पहले तीन दिन में ही विदेशी निवेशकों ने शेयरों से करीब 34,000 करोड़ रुपये निकाले, जिससे रुपये पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

- **उल्लेखनीय है इस वर्ष अब तक स्थानीय शेयर बाजार से 2.6 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई है, जो 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से कहीं अधिक है।**
- **वहीं ईरान युद्ध और उससे जुड़े आर्थिक संकटों के कारण रुपया 20 मई, 2026 को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.86 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।**

सरकार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ती के अनुसार इन प्रयासों का उद्देश्य भारतीय इक्विटी बाजार और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेशकों का दायरा बढ़ाना है, साथ ही दुनिया की सबसे तेजी से विकसित हो रही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक में निवेश करने के इच्छुक वैश्विक निवेशकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। इससे टिकाऊ और निरंतर विदेशी पूंजी का प्रवाह सुनिश्चित होगा, जो दीर्घकालिक निवेशकों जैसे पेंशन फंड, बीमा कंपनियों और संप्रभु धन कोष (एसडब्ल्यूएफ) के रूप में स्थिर और व्यवस्थित तरीके से आएगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार इन उपायों से एक सुचारू उपज वक्र के विकास में मदद मिलेगी और पेंशन फंड, बीमा कंपनियां और संप्रभु धन कोष जैसे दीर्घकालिक निवेशकों सहित दीर्घकालिक, विदेशी पूंजी का स्थिर व्यवस्थित प्रवाह आकर्षित होगा। इससे देश में विदेशी मुद्रा प्रवाह को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वित्त मंत्रालय का कहना है कि सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश निवेशकों (एफपीआई) की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से, सरकार ने पूर्णतः सुलभ मार्ग (एफएआर) के अंतर्गत निर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूची का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसमें 15,30 और 40 वर्षों की अवधि के सरकारी प्रतिभूतियों के नए निर्गमों के साथ-साथ एफएआर-पात्र प्रतिभूतियों की अवधि के संप्रभु हरित बाँड (एसजीआरबी) को भी शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सामान्य मार्ग के अंतर्गत एफपीआई निवेशों के संबंध में, विदेशी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चर्चित शिक्षक खान सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पटना, 05 जून। राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक और कोचिंग संचालक खान सर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कदमकुआं थाना में उनके खिलाफ हत्या की कोशिश और शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज मामले के बाद पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है और जांच एजेंसियां मामले की विस्तृत पड़ताल में जुट गई हैं।

- **कदमकुआं थाने में हत्या की कोशिश तथा आर्म्स एक्ट में भी धाराओं में मामला दर्ज हुआ।**

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला खान सर के सुरक्षा गार्डों के बयान के आधार पर दर्ज किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धौलपुर में आई तेज आंधी से भरभराकर गिरी दीवार, दो लोगों की मौत, दो घायल

घायलों की हालत गंभीर होने पर भरतपुर के अस्पताल में रेफर कर दिया

भरतपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बसेड़ी थाना क्षेत्र में तेज आंधी के दौरान दीवार गिरने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चार लोग बकरियां चराकर अपने घर लौट रहे थे। अचानक आए तेज आंधी-तूफान से बचने के लिए वे एक दीवार के सहारे बैठ गए, लेकिन तेज हवाओं के चलते दीवार भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। गंभीर रूप से घायल चारों लोगों को पहले बसेड़ी अस्पताल में भर्ती कराया, जिनकी हालत गंभीर होने पर भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में भर्ती रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान दो लोगों की मौत हो गई।

बसेड़ी थाना के एसएसआई जगदीश प्रसाद ने बताया कि चार जून की रात भरतपुर जिले के घड़ी बजाना थाना के तरसूमा गांव निवासी समय सिंह, रामफूल, रामसुरूप और जय सिंह बकरियां चराने के बाद हिंगोटा गांव के पास रुके हुए थे। इसी दौरान तेज आंधी और तूफान आया। आंधी के कारण एक दीवार गिर गई, जिसकी चपेट में आकर चारों लोग घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए बसेड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 3 लोगों की गंभीर हालत होने पर समय सिंह, रामफूल और एक अन्य घायल को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान समय सिंह और रामफूल की मौत हो गई।

■ **चार लोग बकरियां चराकर घर लौट रहे थे, आंधी आने से दीवार के पास बैठ गये, तेज हवाओं के चलते दीवार भरभराकर चारों लोगों के ऊपर गिर गई**

मृतकों के परिजन रोहिताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पिता रामफूल और चाचा समय सिंह बकरियां चराने के लिए धौलपुर के हिंगोटा क्षेत्र में गए थे। रात करीब 8 बजे वे वापस लौट रहे थे, तभी अचानक तेज आंधी आ गई। आंधी से बचने के लिए एक दीवार के सहारे बैठ गए। तेज हवाओं के चलते दीवार उनके ऊपर गिर गई और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर किया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर दोनों शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

बीकानेर में तेज आंधी-बारिश से सरकारी स्कूल की छत गिरी

बीकानेर, (निसं)। यहां गुरुवार रात को आई तेज आंधी और बारिश से लूणकरणसर के गारबदेसर गांव स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में एक कमरे की छत भरभराकर टूट कर गिर गई। इससे कमरे के अंदर रखा फर्नीचर भी क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि स्कूलों में ग्रीष्मावकाश होने और घटना रात के समय होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। इस कमरे में कुल साठ पट्टियां लगी हुई है, जिसमें 17 गिर गई।

ग्रामीणों के अनुसार रात करीब 11 बजे तेज आंधी और बारिश के दौरान स्कूल भवन के एक कमरे की छत गिर गई। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीण और स्कूल से जुड़े लोग परिसर में पहुंचे तो कमरे की छत गिरी हुई मिली। इसके बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग को सूचना दी गई।

■ **ग्रीष्मावकाश होने और घटना रात के समय होने के कारण बड़ा हादसा टल गया**

इन दिनों स्कूलों में छुट्टियां चल रही हैं और घटना रात के समय हुई। यदि स्कूल संचालन के दौरान यह हादसा होता तो छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की जान जोखिम में पड़ सकती थी। स्कूल में एक बड़ा हॉल बना हुआ है, जिसमें दसवीं क्लास लगती है। चालीस से ज्यादा स्टूडेंट्स इस क्लास में पढ़ते हैं। गर्मी की छुट्टियां होने के कारण और तूफान रात में होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। आश्चर्य की बात है कि गारबदेसर की इस स्कूल का नाम जिले की क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों में नहीं था। शिक्षा विभाग ने सभी प्रिंसिपल से रिपोर्ट मांगी थी कि उनका विद्यालय अगर क्षतिग्रस्त है तो इसकी रिपोर्ट दें।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) किसनदान चारण ने बताया कि क्षतिग्रस्त स्कूलों की लिस्ट में इस स्कूल का नाम नहीं था। घटना के बारे में पता लगाया जा रहा है।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी उमराव यादव ने बताया कि गारबदेसर राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय के एक कमरे की छत गिरने की सूचना मिली है। कनिष्ठ अभियंता के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही घटना के कारणों और भवन की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जा सकेगी। घटना के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों ने क्षेत्र के अन्य पुराने स्कूल भवनों की भी सुरक्षा जांच कराने की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

अलवर-कोटपूतली सड़क पर बारिश से भरा दो फीट पानी

अलवर, (निसं)। बानसूर कस्बे के बाइपास रोड पर हुई मामूली बारिश के बाद मुख्य सड़क पर भारी जलभराव हो गया। अलवर और कोटपूतली को जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क पर दो से ढाई फीट तक पानी भर जाने से कई वाहन चालक गिरकर चोटिल हो गए।

बानसूर कस्बे से निकलने वाली मुख्य बाइपास सड़क इस समय राहगीरों और वाहन चालकों के लिए आफत का सबब बनी हुई है। बीती रात हुई मामूली बारिश ने एक बार फिर स्थानीय प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग के दावों की पोल खोलकर रख दी है। रात को हुई बरसात के बाद सुबह जब लोग अपने घरों से काम के लिए निकले, तो बानसूर बाइपास रोड पर दरिया जैसा नजारा देखने को मिला। सड़क पर करीब दो से ढाई फीट तक गंदा पानी जमा हो गया है, जिससे यह पहचानना भी मुश्किल हो गया है कि सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क।

■ **दो से ढाई फीट तक पानी भर जाने से कई वाहन चालक गिरकर चोटिल हो गए**

गौरतलब है कि यह कोई साधारण या गली-मोहल्ले की सड़क नहीं है, बल्कि यह बानसूर कस्बे का मुख्य बाइपास रोड है जो कोटपूतली और अलवर जिले को आपस में जोड़ता है। इस वजह से इस मार्ग पर चौबीसों घंटे भारी वाहनों के साथ-साथ हजारों की संख्या में दोपहिया और चौपहिया वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। कनेक्टिविटी के लिए महत्पूर्ण यह सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि यहां से गुजरना अब किसी खतरे से खाली नहीं रह गया है।

टोंक में बिजली निगम एईएन व कंप्यूटर ऑपरेटर ने रिश्वत ली

टोंक, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता के निर्देशन में टोंक एसीबी टीम प्रभारी ऋषिकेश मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने शुक्रवार को बिजली निगम के एईएन नवनीत सिंह गुर्जर एवं संविदा पर लगे कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम को वीसीआर को सेटल करने की एवज में मांगी गई राशि के बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

■ **वीसीआर को सेटल करने की एवज में बीस हजार रुपए लेते पकड़ा**

एईएन नवनीत सिंह गुर्जर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. टोंक को एक शिकायत मिली कि गत 4 मई को परिवादी के घर पर विद्युत विभाग की टीम आयी तथा परिवादी के घर का मीटर की फोटो खींच कर मीटर को खोलकर ले गये तथा परिवादी को विद्युत विभाग के ए.ई.एन. नवनीत गुर्जर द्वारा वी.सी.आर. भरने की धमकी देकर तथा घर का मीटर देने की एवज में 25 हजार रूपये रिश्वत राशि मांगी। परिवादी के कहने से एईएन ने राशि कम करके 20 हजार देने पर सहमत हो गया। जिसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने फरियादी को केमिकल लगे 20 हजार रुपए देकर ए.ई.एन. को देने हेतु उसके ऑफिस भेजा तथा फरियादी जब ऑफिस चैंबर में जाकर बीस हजार रुपए देने लगा तो उन्होंने कहा कि रुपयों को कंप्यूटर ऑपरेटर को दे जाओ। इस पर फरियादी बीस हजार रुपयों को दलाल कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम को दे दिए। जिसके बाद बाहर मौजूद एसीबी टीम सदस्यों ने चर्म्बर में घुसकर बिजली निगम के ए.ई.एन. नवनीत सिंह गुर्जर और दलाल कालीपलटन निवासी मोहम्मद शाजिम को दबोच कर 20 हजार रिश्वत राशि को बरामद कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

कोटा में संविदाकर्मी को 15 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरोटीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के संविदाकर्मी कपिलराज को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, वहीं मामले में प्राधिकरण के लिपिक जुगल किशोर को पूछताछ बाद गिरफ्तार किया गया।

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी कोटा को परिवादी द्वारा शिकायत मिली कि श्रीनाथपुरम्, कोटा स्थित उसके पैतृक आवास का उसके नाम नामान्तरण दर्ज करवाने के लिए कोटा विकास प्राधिकरण के कर्मचारियों द्वारा लगातार आपत्तियां लगाकर उसे परेशान किया जा रहा है। परिवादी ने शिकायत में आरोप लगाया कि उसके वैध कार्य को करने की एवज में केडीए कर्मचारी जुगल किशोर एवं संविदाकर्मी कपिलराज द्वारा 50,000 रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। 2 जून और 4 जून को किये गये मांग सत्यापन के दौरान आरोपियों द्वारा रिश्वत की मांग किए जाने की पुष्टि हुई। एसीबी कोटा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि टीम ने कार्यवाही के लिये ट्रैप का जाल फैलाया, केडीए के संविदाकर्मी कपिलराज ने केडीए की कैंटिन में परिवादी को बुलाकर रूपये ले लिये, जिस पर एसीबी टीम ने केडीए कैंटीन में परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए आरोपी कपिल राज को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। वहीं मामले में परिवादी ने केडिए के लिपिक जुगल किशोर के खिलाफ भी रिश्वत मांगने की शिकायत दी थी, जिस पर आरोपी जुगल किशोर से मामले में पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

ट्रेलर की चपेट में आने से महिला की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा के रानपुर थाना इलाके में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मोड़क निवासी रहनुमा अपने पति के साथ डॉक्टर को दिखाने के लिये कोटा आ रही थी, दम्पती रानपुर क्षेत्र स्थित आरटीओ कार्यालय के सामने से गुजर रहे थे, तभी आगे चल रहे ट्रेलर के चालक ने अचानक स्टेरिंग घुमा दिया और पीछे चल रहे बाइक सवार डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर सडक पर गिर गये। हादसे में ट्रेलर का पिछला टॉयर महिला के शरीर पर होकर गुजर गया, जिससे महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मामले में सामने आया कि महिला पति के साथ डॉक्टर को दिखाने के लिये कोटा आ रही थी, हादसे की सूचना पाकर रानपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि दोनों पति-पत्नी मोड़क से कोटा आ रहे थे, रास्ते में ट्रेलर ने टक्कर मार दी, हादसे में मोड़क निवासी रहनुमा (26) की मौत हो गई। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

लूट की नीयत से की थी युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पचेरी कलां, (निसं)। पचेरी कलां थाना पुलिस ने एक हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की हत्या लूट की नीयत से की गई थी। मामले में आरोपी राजेश कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 22 अप्रैल को सहड़ निवासी कृष्ण कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका चचेरा भाई विक्रम 21 अप्रैल की रात गुरूग्राम से बस द्वारा अपने गांव लौट रहा था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। अगले दिन उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने की सूचना मिली। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामला दर्ज कराया था। इस पर पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने हत्या एवं दुष्कर्म के एक अन्य मामले में नामजद आरोपी राजेश कुमार (24) निवासी रामसर, थाना पचेरी कलां से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि 21 अप्रैल की रात उसने पचेरी कलां से सहड़ जाने वाले मार्ग पर पैदल जा रहे युवक को देखकर लूट की योजना बनाई। आरोपी ने लोहे की रॉड से हमला कर युवक को गंभीर चोटें पहुंचाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में जब मृतक के पास कोई कीमती सामान नहीं मिला तो वह वहां से फरार होकर अपने बाड़े में छिप गया। पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे का अनुसंधान जारी है तथा पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

■ **मामले में आरोपी राजेश कुमार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर पूछताछ की**

घी कारोबारी के ठिकानों से 60 लाख रु. जब्त

बीकानेर, (निसं)। तिरुपति बालाजी मंदिर (टीटीडी) के महाप्रसाद (लड्डू) के घी में मिलावट और धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय की टीमों ने बीकानेर सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में 15 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। बीकानेर के घी व्यवसायी आशीष अग्रवाल के आवासीय और कार्यालय परिसरों पर ईडी ने छापा मारकर कड़ाई से जांच की है।

ईडी ने बीकानेर के अलावा अहिल्यानगर, देहरादून, दिल्ली, डिंडीगुल, गुंटूर, मुंबई और रुड़की में सर्च अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 60 लाख रुपये की नकदी जब्त की है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अपराध से कमाए धन (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) से 45 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया हुआ था। आरोपियों और उनके परिजनों के नाम दर्ज कई बेनामी व कीमती अचल संपत्तियों के दस्तावेज भी हाथ लगे हैं। कारोबारियों ने काली कमाई को सफेद करने के लिए फर्जी खरीद-फरोख्त का एक जटिल नेटवर्क बनाया गया था, जिसकी कड़ियां अब बीकानेर से भी जोड़ी जा रही हैं।

डीएपी खाद के कट्टों से भरी पिकअप जब्त

छबड़ा, (निसं)। पुलिस व कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने गुरुवार देर रात अवैध रूप से ले जाई जा रही डीएपी खाद की खेप जब्त की। पुलिस ने खानपुर (झालावाड़) से छबड़ा होते हुए फतेहगढ़ (मध्यप्रदेश) भेजे जा रहे 70 डीएपी खाद के कट्टों से भरी पिकअप जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में कृषि विभाग के सहायक निदेशक चौथमल मीणा भी शामिल रहे।

सीआई राजेश खटाना ने बताया कि अवैध कृषि खाद व नकली खाद के परिवहन व कालाबजारी को रोकने के लिए ऑपरेशन धरती पुत्र रक्षक चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिलेभर में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकने व किसानों को समुचित मात्रा में खाद की मात्रा की आपूर्ति के लिए कृषि विभाग से समन्वय कर ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसके तहत कृषि व पुलिस विभाग की टीम ने 70 डीएपी खाद के कट्टों से भरी पिकअप जब्त कर दिनेश धाकड़ व दीपक किराड़ को गिरफ्तार किया गया।

ऑनलाइन परीक्षा में नकल करवाने व षड्यंत्र का आरोपी गिरफ्त में

मामले में पूर्व में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चूका है

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् क्षेत्र में कोटा ऑनलाइन आईटी एजुकेशन सेन्टर पर सीसीआरएएस की ऑनलाइन परीक्षा में नकल करवाने के मामले में आरकेपुरम् पुलिस टीम ने पांच हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है, पुलिस टीम ने मामले में 13 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया था, अब तक मामले में 14 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि थाना आरकेपुरम् क्षेत्र स्थित ऑनलाइन आईटी एजुकेशन सेन्टर पर 27 नवम्बर 2025 को ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी, परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कराने का जिम्मा डेक्सआईटी ग्लोबल कंपनी के पास था। 27 नवम्बर 2025 को परीक्षा केन्द्र पर आरोपियों द्वारा कुछ परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र के हल किये गये उत्तरों की पर्चिया पकड़ाकर नकल कराने के सम्बन्ध में फरियादी द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन किया गया।

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले में अनुसंधान किया तो अनुसंधान से सामने आया कि कोटा ऑनलाइन आईटी एजुकेशन सेन्टर, बी-41 आरकेपुरम् कोटा के पास उक्त एड्रेस पर ऑनलाइन परीक्षा कराने हेतु अधिकृत दस्तावेज नहीं होने के बावजूद कंपनी द्वारा इस एड्रेस पर परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड जारी किये और सीसीआरएएस द्वारा परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इस हेतु आरोपियों ने आपस में मिलीभगत और सांठगांठ कर सुनियोजित तरीके से षड़यंत्र कर ऑनलाइन परीक्षा के दौरान मोबाइल से प्रश्न पत्र की कम्प्यूटर स्क्रीन की वीडियो रिकॉडिंग तैयार की तथा प्रश्नों के हल किये गये उत्तर (सोल्वड आन्सर) लिखे हुए कागज/पर्चे परीक्षार्थियों को पहुंचाकर नकल/चिटिंग करवाई गई।

मामले में जिला चूरू के घंटेल निवासी रोहिताश्व स्वामी उर्फ भाया उर्फ डॉक्टर फरार चल रहा था, वांछित चल रहे आरोपी पर 5 हजार का इनाम राशि घोषित की गई। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर गठित विशेष टीम ने संभावित स्थानो पर दबिश दी, आरोपी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा हैं।

जिस पर विशेष टीम कोटा से रवाना होकर चूरू पहुँची तथा आरोपी की तलाश प्रारम्भ की। सूचना के आधार पर जानकारी मिली कि आरोपी चूरू से उदयपुर की ओर गया हैं, जिस पर विशेष टीम ने चुरू से उदयपुर तक लगभग 650 किमी आरोपी का पीछा कर आरोपी रोहिताश्व स्वामी उर्फ भाया उर्फ डॉक्टर को उदयपुर के हिरण मगरी थाना क्षेत्र से डिटेन करने में सफलता हासिल की, आरापी से अनुसंधान जारी है।

इस्लामपुर गांव का नाम श्रीरामपुर करने के प्रस्ताव पर ग्रामीणों का विरोध तेज

झुंझुनूं भाजपा विधायक की सिफारिश पर सीएमओ ने रिपोर्ट मांगी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के ऐतिहासिक गांव इस्लामपुर का नाम बदलकर 'श्रीरामपुर' करने के प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। एक ओर झुंझुनूं के भाजपा विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने इसे जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग बताते हुए सांस्कृतिक पहचान को पुनर्जीवित करने की पहल करार दिया है, वहीं दूसरी ओर गांव के सर्वसमाज के लोगों ने इसका विरोध करते हुए जिला प्रशासन को आपत्ति पत्र सौंपा है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा इस संबंध में जिला प्रशासन से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगे जाने के बाद मामला चर्चा के केंद्र में आ गया है। अब जिला प्रशासन ऐतिहासिक तथ्यों, राजस्व अभिलेखों, जनभावनाओं तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजेगा।।

■ **ग्रामीणों का कहना है कि इस्लामपुर नाम दशकों से गांव की पहचान रहा है और इसे बदलना ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ स्थानीय पहचान को भी प्रभावित करेगा**

इस्लामपुर के प्रशासक एवं पूर्व सरपंच आमीन मणियार के नेतृत्व में सर्वसमाज के लोगों ने विरोध जताया।

जानकारी के अनुसार झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने गत 17 फरवरी को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस्लामपुर गांव का नाम बदलकर 'श्रीरामपुर' करने की अनुशंसा की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय के उपसचिव जयप्रकाश नारायण ने 29 मई को जिला कलैक्टर को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। विधायक भाम्बू का कहना है कि क्षेत्र के लोगों द्वारा लंबे समय से गांव की सांस्कृतिक और प्राचीन पहचान को पुन:र्स्थापित करने की मांग की जा रही थी। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए उन्होंने यह प्रस्ताव शासन तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक और नियमानुसार है।

नाम परिवर्तन के प्रस्ताव के विरोध में ग्राम पंचायत इस्लामपुर के प्रशासक एवं पूर्व सरपंच आमीन मणियार के नेतृत्व में सर्वसमाज के लोगों ने जिला कलैक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि इस्लामपुर नाम दशकों से गांव की पहचान रहा है और इसे बदलना ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ स्थानीय पहचान को भी प्रभावित करेगा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि इस्लामपुर झुंझुनूं जिले का सबसे बड़ा एकल राजस्व गांव है, जिसकी आबादी लगभग 15 हजार तथा मतदाता संख्या करीब 8,500 है। नाम परिवर्तन की स्थिति में लोगों को आधार कार्ड, जनआधार, भूमि रिकॉर्ड, बैंक दस्तावेज, शैक्षिणक प्रमाण पत्र सहित अनेक सरकारी अभिलेखों में संशोधन करवाने की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित इस्लामपुर शेखावाटी अंचल की ऐतिहासिक बसावटों में शामिल माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार कायमखानी नवाबों के शासनकाल में इस क्षेत्र का प्रशासनिक और सामरिक महत्व बढ़ा, जिसके बाद इस्लामपुर नाम प्रचलन में आया।

18 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। निवाई में 18 लाख की ठगी के आरोपी को निवाई थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है, आरोपी पिछले चार साल से फरार था। जिस पर 6 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। आरोपी ने सोलर प्लांट लगाने और सरकारी सब्सिडी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की थी।

■ **सोलर प्लांट लगाने और सरकारी सब्सिडी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की थी**

निवाई थाना प्रभारी घासीराम ने बताया कि आरोपी ईशाक मोहम्मद मंसूरी उर्फ सोनू निवाई थाने में धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। परिवाद के अनुसार आरोपियों ने प्रकाश एंटरप्राइजेज के माध्यम से लोगों को सोलर प्लांट लगाने और सरकारी सब्सिडी दिलाने का भरोसा दिलाकर 18 लोगों से 18 लाख 88 हजार रुपए जमा कर लिये। जिसके बाद राशि लेने के बावजूद न तो सोलर प्लांट लगाए गए और न ही पीड़ितों को सब्सिडी का लाभ मिला। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी ईशाक मोहम्मद मंसूरी के खिलाफ भीलवाड़ा के आसींद और अजमेर के आदर्श नगर थानों में भी धोखाधड़ी के अन्य मामले दर्ज हैं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत करौली

क्रमांक :-404 दिनांक :- 27-5-2026

निविदा सूचना संख्याः 02/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर जिला करौली में विभिन्न स्थानों पर एस.आर प्रोग्राम की सडकों के निर्माण कार्य के लिए मय नियमानुसार मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत एए" "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 5 निर्माण कार्य हेतु जिनकी कुल राशि रूपयें 278.96 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है । कार्यवार संख्या निम्नानुसार है।

NIB No.	UBN No.
PWD2627A0807	PWD2627WSOB03506
PWD2627A0808	PWD2627WSOB03512

(देवेन्द्र कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता,
सा0नि0वि0 वृत्त-करौली

DIPR/C/9590/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर

एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)

Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com

कमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉ / निविदा/2026-27/506 दिनांकः- 29/05/2026

निविदा सुचना संख्या - 04 / 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Daily periodical operation of valve at supply times for specified by department per sluice valve, leakage removal of difference size pipe line
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 02 रु. 25.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	01.06.2026 से 11.06.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	12.06.2026 को 12.00 बजे से
UBN No	PHE2627WSRC01584 PHE2627WSRC01585

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

DIPR/C/9739/2026

मासूम को स्कॉर्पियो से कुचला

जयपुर। झोटवाड़ा क्षेत्र में गुरुवार शाम घर के बाहर खेल रहे एक वर्षीय मासूम बच्चे को पडौसी ने स्कॉर्पियो गाड़ी से कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। हैड कांस्टेबल सज्जन सिंह ने बताया कि हादसे में जालूपुरा निवासी मोहम्मद रिजवान के एक वर्षीय पुत्र मोहम्मद इब्राहिम की मौत हुई है। रिजवान मजदूरी करता है, उसकी पत्नी करीब 7 दिन पहले अपने बेटे और बेटी को लेकर झोटवाड़ा के जगन्नाथपुरी स्थित पीहर आई हुई थी। गुरुवार देर शाम को इब्राहिम घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान पडौस में रहने वाला युवक काम से लौटकर अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर घर पहुंचा। तभी मासूम अचानक दौड़ते हुए सड़क पर आ गया और वाहन की चपेट में आ गया।

भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार आज आएंगे जयपुर

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार शनिवार को जयपुर पहुंचेंगे। कार्यक्रम के अनुसार संगठन महामंत्री अजेय कुमार दोपहर 1.15 बजे जयपुर पहुंचेंगे, इसके बाद 1:30 बजे मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 2 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे, जहां कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। प्रदेश कार्यालय में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा राजस्थानी संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप संगठन महामंत्री अजेय कुमार का स्वागत किया जाएगा।

बिजली-पानी की बचत, पौधारोपण और प्लास्टिक के कम उपयोग से संवारे पर्यावरण : मुख्यमंत्री

राजस्थान को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में हर नागरिक दें योगदान : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासी प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं और राज्य को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में योगदान दें। बिजली-पानी की बचत, पौधारोपण, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन करें ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित आवरण मिले। मुख्यमंत्री शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आमजन से वर्षा ऋतु में मिशन हरियालो राजस्थान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान जैसी पहल की हैं जिनके सकारात्मक परिणाम आए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मिशन हरियालो में 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें से लगभग 19 करोड़ पौधे लग चुके हैं। इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर झालाना के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर 'हरियालो राजस्थान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, वन राज्यमंत्री संजय शर्मा, सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चयनित जिलों में 11-11 हजार पौधे लगाकर नमो चंदन वन स्थापित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालयों पर नमो नर्सरी, प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर नमो वन, 16 जिलों में मॉडल उद्यान ऑक्सीजोन, 21 जिलों में गोबरधन-परियोजना के तहत बायो-गैस संयंत्र, 29 अमृत शहरों में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के साथ ही, जयपुर में वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान के लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम स्थापित किया गया है।

विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और जनभागीदारी आधारित अभियानों से आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

- **समारोह में नन्हे पर्यावरणमित्र ने ऑटोग्राफ मांगा तो मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारते हुए ऑटोग्राफ देकर उसका उत्साहवर्द्धन किया**
- **अलवर और भिवाड़ी में अर्ली वार्निंग सिस्टम का शुभारंभ, आरएसपीसीबी के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास**

समारोह में अलवर एवं भिवाड़भ में अर्ली वार्निंग सिस्टम का शुभारंभ किया गया। साथ ही, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। ग्रीन-को रेटिंग योजना और हैकाथॉन विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान आरएसपीसीबी के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास, 7 नवीन पौधशालाओं तथा 8 प्रे-बेस ऑग्मेंटेशन एनक्लोजर्स का लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री ने कैम्पा योजना के अंतर्गत निर्मित 5 फॉरेस्ट गार्ड चौकियों, 1 क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय एवं आवासीय भवन का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर एक नन्हे पर्यावरणमित्र ने मंच पर जाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ऑटोग्राफ मांगा। जिस पर मुख्यमंत्री ने बच्चे को दुलारते हुए ऑटोग्राफ देकर बच्चे का उत्साहवर्धन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 'प्रकृति से प्रेरित' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उन्होंने विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया एवं पर्यावरण संरक्षण की नवीनतम तकनीक एवं उपकरणों की जानकारी ली। समारोह में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद मंजू शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, आरएसपीसीबी अध्यक्ष अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन आनंद कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, पर्यावरणविद् एवं प्रकृति प्रेमी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

प्रमुख शासन सचिव ने किया पौधारोपण

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रमुख शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य, डेयरी एवं गोपालन विकास सीतारामजी भाले ने विभागीय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने पशुपालन और गोपालन विभाग में पौधारोपण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आव्हान किया। भाले ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और इसका संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी को गंभीर खतरा है, इससे निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा। विभाग के निदेशक डॉ. सुरेशचंद मीना ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान सभी ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

200 डॉक्टर्स दिखाएंगे सुरों का कौशल

जयपुर । जयपुर में विगत चार वर्षों से डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता ने अपने म्यूजिकल मैचों की अनूठी संकल्पना के चलते अब तक बहुत सराहना बटोरी है। डीएमपीएल के संयोजक डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि इस वर्ष भी 31 जुलाई से 2 अगस्त तक पंचम संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में होगा। लीग चेयरमैन डॉ.संजीव गुप्ता ने बताया कि डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग डॉक्टर्स द्वारा डॉक्टर्स के लिए आयोजित होने वाली अनोखी गायन प्रतियोगिता है, जहाँ दिन में चिकित्सकीय कौशल दिखाने वाले करीब 200 डॉक्टर्स शाम को अपने सुरों का कौशल दिखाएँगे। लीग के चीफ कोऑर्डिनेटर डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि इस प्रतियोगिता के ब्रांड एम्बेसडर प्रख्यात बॉलीवुड सिंगर डॉ रवीन्द्र उपाध्याय है ,इस लीग में टीम इवेंट्स के अलावा व्यक्तिगत प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसके अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों में एकल व युगल गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन 19 जुलाई को किया जाएगा। प्रतियोगिता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. हर्षुल टाक व डॉ. रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि, प्रतियोगिता में आठ फ्रेंचाइजी टीमें भाग ले रही हैं, जो कि खुले ऑक्शन के माध्यम से डॉक्टर-गायकों का चयन कर अपनी-अपनी टीमें बनाएंगी।

नगर निगम मुख्यालय में पौधारोपण

जयपुर । विश्व पर्यावरण के दिवस पर नगर निगम मुख्यालय में संभागीय आयुक्त.वी.सरवणे एवं निगम आयुक्त ओम कसेरा ने पौधारोपण किया। उन्होंने बिल्व पत्र के पौधे लगाते हुए कहा कि हम सभी को प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पौधारोपण कर हरियालों राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशाा में काम करना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल, उपायुक्त (उद्यान) नीलम एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यंग इनोवेटर्स को मिलेगी फंडिंग

नई दिल्ली । पब्लिक रिलेशन क्षेत्र की अग्रणी संस्था पीआर 24 गुणा 7 ने देश के युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को मजबूत आर्थिक सहयोग देने के उद्देश्य से एक बेहद खास और महत्वाकांक्षी पहल प्रगति (पीआर 24 गुणा 7 रिसोर्स एलोकेशन फॉर ग्रोथ, एडवांसमेंट, एंड ट्रांसफॉर्मिंग आइडियाज) की शुरुआत की है। इस नई पहल के तहत संस्था ने शुरुआती दौर के 100 यूनिक स्टार्टअप आइडियाज में 50 हजार रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक का आर्थिक सहयोग देने का फैसला किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के ग्रामीण परिवेश और छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) से आने वाले बेहतरीन और अनोखे बिजनेस आइडियाज सिर्फ पैसों की तंगी की वजह से दम न तोड़ें। इस महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुए पीआर 247 के फाउंडर, डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि, "असली सितारे और भविष्य के बड़े बिजनेस आइडियाज हमारे ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों में बसते हैं। इन युवाओं के पास विजन भी है और जज्बा भी, कमी है तो बस एक सही शुरुआत और आर्थिक सहयोग की।"

डॉ. महेंद्र कुमावत ने संभाला पदभार

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय जयपुर में आयोजित समारोह में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री निर्मल कुमावत, मोर्चा प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, बिहारी लाल विश्नोई, पूर्व मोर्चा अध्यक्ष चम्पालाल गेदर उपस्थित रहे। डॉ. महेंद्र कुमावत ने केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, मैं उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करूँगा।

संघ का कार्यकर्ता विकास वर्ग संपन्न

जयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) का समापन समारोह 6 जून को सायं 6:30 बजे आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान में आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह में गुरुद्वारा, साहिब टीला नंबर-5 के प्रधान सरदार राजन सिंह मुख्य अतिथि होंगे, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल उद्बोधन देंगे। उल्लेखनीय है कि कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) का आयोजन जयपुर के राजापार्क क्षेत्र में 17 मई से किया जा रहा है, जो 7 जून तक चलेगा। 20 दिवसीय इस प्रशिक्षण वर्ग में राजस्थान क्षेत्र के 277 स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण वर्ग में खेल, व्यायाम, गीत, प्रार्थना और बौद्धिक सत्रों के माध्यम से अनुशासन, सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति के संस्कारों को व्यवहार में उतारने पर विशेष बल दिया जा रहा है। वर्ग के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह आलोक कुमार सहित अखिल भारतीय एवं क्षेत्र के कई पदाधिकारियों का प्रवास हुआ।

जेडीए 8 जून से जोनवार लगाएगा शिविर

जयपुर । राज्य सरकार के लक्ष्यों की प्राप्ति और जयपुर वासियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 8 जून से जोनवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से आमजन के लंबित कार्यों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि प्राधिकरण बकाया लीज मय ब्याज की प्राप्ति के लिए 8 जून से 29 जुलाई तक नागरिक सेवा केन्द्र में जोनवार कैम्प आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ नवीन प्रकरणों का भी मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा। शिविरों में बकाया लीज (मय ब्याज) वसूली के लिए मांग पत्र जारी किए जाएंगे,जिन प्रकरणों में मांग पत्र जारी होने के बावजूद राशि जमा नहीं की गई है, उनमें पीडीआर एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करवाकर कुर्की की कार्यवाही की जाएगी तथा जेडीए की विभिन्न योजनाओं में स्वत: निरस्त हुए भूखंडों को चिह्नित कर उन्हें नीलामी पोर्टल पर दर्ज करवाने की कार्यवाही की जाएगी। इसी के साथ ही जोन में उपलब्ध अल्पयावधि किराए या लीज की संपत्तियों और भूखंडों का पूरा विवरण जेडीए रेन्टल प्रॉपर्टी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करवाया जाएगा।

जल महल से उठी स्वच्छता की अलख

जयपुर । विश्व पर्यावरण दिवस पर जल महल के आसपास सैकड़ों लोगों ने साफ-सफाई की और इसके बाद पौधारोपण भी किया। काइंडनेस वेलफेयर एसोसिएशन के निदेशक एवं संस्थापक रजत जैन ने बताया कि अभियान में शामिल लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों की सुरक्षा, प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण और शहर को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ ली। निदेशक एवं संस्थापक रजत जैन ने बताया कि जल महल जयपुर की पहचान,सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थल को अभियान का केंद्र बनाने का उद्देश्य लोगों में अपने शहर और विरासत के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

सोमनाथ यात्रा पर जा रहे वृद्धजनों की ट्रेन को हरी झंडी दिखाई मुख्यमंत्री ने

'वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना' के जरिए अब तक 1 लाख से ज्यादा बुजुर्गों की तीर्थाटन मनोकामना पूरी की राज्य सरकार ने

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वृद्धजनों के कल्याण एवं धार्मिक पर्यटन को विकसित करने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना बुजुर्गों की तीर्थाटन की मनोकामना को पूरा करने का माध्यम बन रही है। इस योजना के माध्यम से एक लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन की अभिलाषा पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पर सोमनाथ यात्रा शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से सोमनाथ तीर्थ स्थल के लिए ट्रेन को रवाना किया। इस दौरान वृद्धजनों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान सर्वोपरि है। प्रत्येक व्यक्ति की यह इच्छा होती है कि जीवन में पवित्र तीर्थस्थलों के दर्शन करे। राज्य सरकार का प्रयास है कि कोई भी वरिष्ठ नागरिक अपनी तीर्थ यात्रा की इच्छा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति अटल, अमिट और अद्वितीय है तथा सोमनाथ मंदिर देश की इसी आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इस मंदिर को कई बार तोड़ा और लूटा गया, लेकिन शक्ति, स्वाभिमान के साथ यह पुन: स्थापित हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की पहल की है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना का महापर्व है। इसके अन्तर्गत 1 हजार दिनों के लिए विशेष पूजा की जा रही है। इस यात्रा के माध्यम से प्रदेश के तीर्थयात्रियों को भी इस पुण्य कार्य में शामिल होने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुजुर्गों के गरिमापूर्ण जीवन और सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण पहल की गई है। अस्पतालों में वृद्धजन मरीजों की समुचित देखभाल के लिए रामाश्रय वार्ड स्थापित किए गए हैं। वहीं, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 8 लाख से अधिक पेंशनर्स को लाभान्वित किया है। मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के माध्यम से 50 लाख से अधिक पेंशनर्स को 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि सीधे उनके खातों में भी जमा की गई। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में काजल चौधरी का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिकमास में वे अपनी 90 वर्षीय सास को सिर पर टोकरी में बैठाकर चौरासी कोस की ब्रज परिक्रमा करवा रही है, जो 260 किलोमीटर की यात्रा है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति के जीवंत संस्कारों का दर्शन है। इस अवसर पर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत तीर्थ यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी करने के साथ ही एसी ट्रेन की सुविधा शुरू की गई है। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, सांसद मंजू शर्मा, शासन सचिव देवस्थान शुचि त्यागी सहित देवस्थान विभाग एवं रेलवे के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में तीर्थयात्री मौजूद रहे।

राज्यसभा चुनाव के लिए नीरज डांगी ने भरा नामांकन

जयपुर । राजस्थान की तीन रिक्त राज्यसभा सीटों के लिए चुनावी सरगर्मियों के बीच कांग्रेस प्रत्याशी नीरज डांगी ने शुक्रवार को विधानसभा में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मुख्य सचेतक रफीक खान सहित बड़भ संख्या में कांग्रेस विधायक और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नामांकन से पहले विधानसभा परिसर में कांग्रेस विधायकों और नेताओं ने नीरज डांगी का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने चुनाव अधिकारी के समक्ष तीन सेटों में नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन के दौरान कांग्रेस ने अपनी संगठनात्मक एकजुटता और संख्याबल का प्रदर्शन भी किया। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में नीरज डांगी ने राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग की संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास 67 विधायक और 4 समर्थित विधायकों सहित कुल 71 वोट हैं, जबकि जीत के लिए केवल 51 वोटों की आवश्यकता है। ऐसे में कांग्रेस की जीत तय है और किसी प्रकार की चिंता नहीं है। डांगी ने कहा कि यदि राज्यसभा चुनाव में कोई अतिरिक्त उम्मीदवार मैदान में आता है तो वह भाजपा की ओर से आएगा, कांग्रेस की तरफ से नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और सरकारें गिराने की राजनीति भाजपा की कार्यशैली का हिस्सा रही है। उन्होंने 2020 के राज्यसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि तब भी कांग्रेस को सभी समर्थक विधायकों के वोट मिले थे।

बदमाश ने फर्जी आर.बी.आई. अफसर बनकर जयपुर के दुकानदारों से हजारों रु. ठगे

- **नए नोटों की गड्डियां देने का झांसा देकर वारदातें की**

जयपुर । राजधानी में खुद को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अधिकारी बताकर दुकानदारों से ठगी करने वाले एक शातिर जालसाज का मामला सामने आया है। आरोपी नए नोटों की गड्डी उपलब्ध कराने का झांसा देकर दुकानदारों को आरबीआई कार्यालय के बाहर बुलाता था और रुपए लेकर बैंक से नोट लाने का बहाना बनाकर फरार हो जाता था। इस तरह की शिकायतें माणक चौक, गांधी नगर और कोतवाली थाना क्षेत्रों में दर्ज कराई गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार माणक चौक थाना क्षेत्र के त्रिपोलिया बाजार स्थित एक दुकान संचालक सावन गुप्ता ने शिकायत दी है कि कुछ दिन पहले एक व्यक्ति उनकी दुकान पर डिस्पोजल गिलास खरीदने आया। उसने अपना नाम विवेक गुप्ता बताते हुए खुद को आरबीआई का अधिकारी बताया। आरोपी ने गर्मी के मौसम में छाछ-राबड़ी वितरण के लिए 4000 डिस्पोजल गिलास की मांग की और बैंक से ऑनलाइन भुगतान कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद आरोपी ने फोन कर नए नोटों की गड्डियां उपलब्ध कराने की बात कही। घर में शादी कार्यक्रम होने के कारण सावन गुप्ता ने नए नोटों की आवश्यकता बताई तो आरोपी ने उन्हें आरबीआई कार्यालय के बाहर रुपए भेजने को कहा। दुकानदार ने अपने कर्मचारी गोविंद को 40 हजार रुपए देकर भेजा। आरोपी ने पेट्रोल पंप के पास मिलकर रुपए ले लिए और बैंक के अंदर से नए नोट लाने का कहकर चला गया, लेकिन वापस नहीं लौटा, बाद में उसका मोबाइल भी बंद मिला। आरबीआई अधिकारियों से जानकारी लेने पर पता चला कि आरोपी का बैंक से कोई संबंध नहीं है।

इसी प्रकार गांधी नगर थाना क्षेत्र के दुकानदार आकाश पाराशर ने भी 50 हजार रुपए की ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। आकाश ने बताया कि आरोपी उनकी दुकान पर खरीदारी के बहाने आया और खुद को आरबीआई अधिकारी बताते हुए 10, 20 और 50 रुपए के नए नोटों की गड्डियां दिलाने का भरोसा दिया। शादी समारोह में नए नोटों की जरूरत होने पर वह 18 मई को आरबीआई कार्यालय पहुंचा। वहां आरोपी ने उसे पेट्रोल पंप के पास बुलाकर 50 हजार रुपए ले लिए और नए नोट लेकर आने की बात कहकर बैंक की ओर चला गया। काफी इंतजार के बाद भी वह वापस नहीं आया और उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। पुलिस का कहना है कि तीनों मामलों में एक ही व्यक्ति के शामिल होने की आशंका है। पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नए नोटों या किसी अन्य सुविधा के नाम पर अज्ञात व्यक्तियों के झांसे में न आएं और किसी भी प्रकार का लेन-देन करने से पहले संबंधित व्यक्ति की पहचान की पुष्टि अवश्य करें।

फर्जी एफ.एम.जी.ई. सर्टिफिकेट को सही बताने वाला मेडिकल काउंसिल का सत्यापन अधिकारी गिरफ्तार

एसओजी की जांच में आया कि आरोपी फरहान हसन 2 से 5 लाख रुपए रिश्वत लेकर फर्जी प्रमाण पत्रों को मंजूरी देता था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । फर्जी "फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एक्जामिनेशन" (एफएमजीई) प्रमाण पत्रों के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण कराने के बहुचर्चित रैकेट का एसओजी ने पर्दाफाश किया है। एसओजी ने राजस्थान मेडिकल काउंसिल के सत्यापन अधिकारी (कनिष्ठ सहायक) फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी निवासी मालपुरा जिला टोंक को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर रिश्वत लेकर बिना दस्तावेजों का सत्यापन किए फर्जी प्रमाण-पत्रों को सही बताकर रिपोर्ट देने का आरोप है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि इस मामले की जांच में सामने आया है कि इस पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड भानाराम माली है। वह विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे उन छात्रों से संपर्क करता था, जो भारत में चिकित्सा अभ्यास के लिए अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा पास नहीं कर पाए थे। भानाराम ऐसे छात्रों के लिए कूटरचित प्रमाण-पत्र तैयार करवाता था और इसके बदले प्रति छात्र 20 से 30 लाख रुपए तक वसूलता था। इसके अलावा इस रकम में से प्रति मामले 2 से 5 लाख रुपए राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन वेरीफाइंग ऑफिसर (सत्यापन अधिकारी) फरहान हसन को दिए जाते थे। आरोपित फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी वर्ष 2023-24 के दौरान आरएमसी के पंजीकरण अनुभाग में कनिष्ठ सहायक एवं वेरीफाइंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत था।

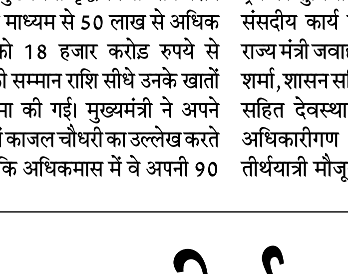

आरोपी फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी

- **जांच में सामने आया है कि इस पूरे फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड भानाराम माली है। वह विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे उन छात्रों से संपर्क करता था, जो भारत में चिकित्सा अभ्यास के लिए अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा पास नहीं कर पाए थे।**
- **भानाराम ऐसे छात्रों के लिए कूटरचित प्रमाण-पत्र तैयार करवाता था और इसके बदले प्रति छात्र 20 से 30 लाख रुपए तक वसूलता था। इस रकम में से प्रति मामले 2 से 5 लाख रुपए राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन वेरीफाइंग ऑफिसर (सत्यापन अधिकारी) फरहान हसन को दिए जाते थे।**

आरोपित फरहान हसन उर्फ फरहान नकवी का मुख्य दायित्व विदेश से मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर लौटे अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का संबंधित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संस्थानों एवं अन्य एजेंसियों से सत्यापन कर रजिस्ट्रार को रिपोर्ट भेजना था। परंतु आरोपित ने वित्तीय लाभ के लिए काउंसिल के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर बिना किसी जांच-पड़ताल के फर्जी प्रमाण-पत्रों को सही बताते हुए सकारात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। इसके आधार पर अपात्र अभ्यर्थियों को राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप करने और अस्थायी पंजीकरण प्राप्त करने का अवसर मिल गया। एसओजी ने अपराध प्रमाणित होने पर आरोपित फरहान हसन को गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जयपुर महानगर द्वितीय के समक्ष पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में उससे गहन पूछताछ की जा रही है। फिलहाल एसओजी आरोपित फरहान हसन से पूछताछ के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि उसके कार्यकाल में कितने और फर्जी पंजीकरण किए गए तथा इस रैकेट में काउंसिल के अन्य कौन-कौन से अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। जांच एजेंसी को इस मामले में आने वाले दिनों में और बड़े खुलासों की उम्मीद है।

गौरतलब है कि एसओजी थाना जयपुर में 4 फरवरी 2026 को प्रकरण दर्ज किया गया था। अब तक की कार्रवाई में फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर इंटर्नशिप और पंजीकरण कराने वाले 17 विदेशी स्नातक डॉक्टरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इसके अलावा राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर, मुख्य आरोपी भानाराम माली तथा एक दलाल को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

कोटा कोचिंग इंडस्ट्री में एक तरफ जश्न तो दूसरी तरफ आत्महत्या का मातम

एक जानकारी के अनुसार 2023 में 26, 2024 में 17, 2025 में 14 कोचिंग स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की थी 2026 में जून माह तक कोटा में 6 कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं

- **पिछले सालों में कोटा में स्टूडेंट्स आत्महत्या के इतने मामले हो गए की अभिभावकों का विश्वास बेहतर रिजल्ट देने के बावजूद कोटा पर नहीं हो पा रहा है**
- **आत्महत्या की घटना के कारण कोटा कोचिंग इंडस्ट्री डाउन फॉल पर है और यहां के लोग चिंतित हैं**

कोटा, (निसं)। हाल ही में घोषित जेईई एडवांस्ड में कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री ने फर्स्ट रैंक और सेकंड रैंक के साथ बेहतरीन सिलेक्शन और परिणाम दिए हैं। इन परिणामों के बाद कोटा शहर की कोचिंग इंडस्ट्री में जश्न का माहौल है। कोचिंग इंडस्ट्री और शहरवासियों को उम्मीद है कि इतना बेहतरीन रिजल्ट देने के बाद देशभर के अभिभावकों का एक बार फिर मेडिकल और इंजीनियरिंग की उच्च प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोटा के प्रति रूझान बढ़ेगा, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है।

भले ही इस बात का माहौल बनाया जा रहा हो की कोटा के प्रति देशभर के स्टूडेंट्स और अभिभावकों का विश्वास वापस लौट रहा है और वे अपने नोनिहालों का भविष्य बनाने और सपने पूरे करने के लिए कोटा का रुख कर रहे हैं, लेकिन कोचिंग इंडस्ट्री की हलचल पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि यह केवल एक माहौल बनाने की प्रक्रिया है। हकीकत में अभी भी कोटा के प्रति देशभर के अभिभावकों और स्टूडेंट का विश्वास वापस नहीं लौट पाया है।

कोटा के प्रति जैसे ही इन लोगों का विश्वास लौटने लगता है वैसे ही कोटा में ऐसा कोई घटनाक्रम घटित हो जाता है, जिससे अभिभावक और स्टूडेंट अपने पैर पीछे खींच लेते हैं। हाल ही के दिनों में जब कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री धीरे-धीरे ग्रोथ कर रही थी तभी खाने का ढाबा धराशाई होने की घटना सामने आ गई। इसमें एक कोचिंग स्टूडेंट की मौत हो गई जो कोटा की आधारभूत सुविधाओं पर सवालिया निशान लगा गई। बुधवार को एक एलन कोचिंग के स्टूडेंट ने आत्महत्या कर ली। एक जानकारी के अनुसार कोटा में 2023 में 26, 2024 में 17, 2025 में 14 कोचिंग स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की थी। 2026 में जून माह तक कोटा में 6 कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।

पूर्व से ही कोटा आत्महत्याओं के मामले में बदनाम चल रहा है, ऐसी स्थिति में यह आत्महत्या का मामला अभिभावकों को एक बार फिर कोटा की तरफ रुख करने से पहले सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। लोगों का मानना है कि कोटा के कोचिंग संस्थान अपने सफल रिजल्ट्स को स्पष्ट रूप से हाईलाईट करके स्टूडेंट और अभिभावकों को आकर्षित करने की भरपूर कोशिश करते हैं। अभिभावकों के सामने हर कोचिंग संस्थान का परिणाम होता है और इसी आधार पर वह कोटा आ कर अपने नोनीहाल के लिए कोचिंग संस्थान का चयन करते हैं। ऐसी स्थिति में मीडिया को यह जिम्मेदारी निभानी चाहिए कि वह यह भी स्पष्ट करें कि आत्महत्या करने वाला कोचिंग स्टूडेंट कौन से संस्थान या कोचिंग का स्टूडेंट था। अगर अभिभावकों को इस बात की जानकारी होगी तो वह उस कोचिंग संस्थान के प्रति एडमिशन करवाने से पूर्व अपना एक स्पष्ट नजरिया रख सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि कोटा में जो कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या करता है वह कौन से कोचिंग इंस्टिट्यूट में अध्यनरत था इसको छुपाने के प्रयास किए जाते हैं।

अगर यह स्पष्ट हो की कोटा में आत्महत्या करने वाले स्टूडेंट कौनसे कोचिंग संस्थान के हैं तो ऐसी स्थिति में अभिभावक कोटा की अपेक्षा उस संस्थान से अपना मुंह मोड सकते हैं और कोटा के अन्य कोचिंग संस्थानों पर अपना विश्वास व्यक्त कर सकते हैं। कोटा में कई प्रतिष्ठित संस्थान है जो स्टूडेंट पर पूरी मेहनत करते हैं। कोटा में अगर कोचिंग स्टूडेंट का फुटफॉल रहेगा तो अन्य कोचिंग संस्थान बेहतर ग्रोथ कर पाएंगे और कोटा एक बार फिर अपने पुराने समय को पा सकेगा। कोटा में नहीं, कोचिंग संस्थान के सिस्टम में गड़बड़ है। जिसकी कीमत पूरे कोटा शहर और कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री को चुकानी पड़ रही है।

प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉक्टर एम.एल. अग्रवाल कहते हैं कि 14 से 16 साल तक की लड़कियों में तथा 16 से 25 साल तक के लड़कों में आत्महत्या के सिम्टम्स नेचरली वर्क करने लगते हैं। अगर आत्महत्या की आंकड़ों को देखा जाए तो इस आयु वर्ग के बच्चों में जो मौत का कारण है वह सबसे ज्यादा आत्महत्या ही है। ऐसी स्थिति में जब कोटा में बच्चे एडमिशन के लिए आए तो उनकी 20 से 25 मिनट तक स्क्रीनिंग की जानी चाहिए। साथ ही उनकी मेडिकल हिस्ट्री का डाटा रखना चाहिए। अभिभावकों को बच्चों की रुचि और अभिरुचि के हिसाब से ही उन्हें सब्जेक्ट दिलाने चाहिए। कोचिंग संस्थानों को तनाव में चल रहे बच्चों को वापस भेजने की जगह स्पेशल अटेंशन देना चाहिए। इसके लिए सरकार एवं जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी कोचिंग इंस्टिट्यूट को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी ईमानदारी से करना होगा।

भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे कहते हैं कि स्टूडेंट्स की बढ़ती आत्महत्या की घटनाए भारी चिंता का विषय है, इस पर कड़ाई से रोक लगनी चाहिए। इसके लिए सरकार एवं जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी कोचिंग इंस्टिट्यूट को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी ईमानदारी से करना होगा। साथ ही जिस भी कोचिंग इस्टिट्यूट का स्टूडेंट आत्महत्या करें उसका नाम भी समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक होना चाहिए ओर आत्महत्या के कारणों पर गहन चिंतन हो ओर उसमे सुधार के लिए उचित कदम उठाए जाए ताकि भविष्य मे आत्महत्याओं पर अंकुश लग सकें।

साईबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सायबर पुलिस टीम ने सायबर ठगी के मामले में फरार चल रहे स्थाई वारंटी अंकुर तिवारी को कुशीनगर उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 23 जून 2025 को परिवादी नवल किशोर गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मेरा परिचित बनकर उससे 6,10,000 की सायबर ठगी की है। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में अनुसंधान के लिये टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने मामले में अनुसंधान करते हुए फरियादी के साथ हुई 6,10,000 रुपये की ठगी मे से बैंको से पत्राचार कर 3,59,000 रुपये की राशि होल्ड करवायी जाकर परिवादी को रिफण्ड कराई गई। शहर एसपी ने बताया कि प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी ऋषि शर्मा उर्फ गोलू ने पूछताछ में बताया कि उसने सायबर ठगी की राशि को जरिए कैश डिपॉजिट मशीन अलग-अलग खातों में जमा कराया है, जिस पर बैंक से खातों की डिटेल प्राप्त कर खाताधारकों की तलाश की गई एवं नोटिस जारी किये गये। परिवादी से ठगी की राशि मुल्जिम अंकुर तिवारी के खाते में जमा होने पर टीम द्वारा कई बार उसके आवास पर दबिश दी गई लेकिन आरोपी मौके से फरार हो गया वारण्ट की पालना में टीम भेजकर तलाश करवायी गयी, टीम ने अभियुक्त अंकुर तिवारी को दस्तयाब किया गया। अभियुक्त को प्रकरण में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से आरोपी को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया।

अतिक्रमण हटाने को लेकर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने, आरोप-प्रत्यारोपण दौर शुरू

- **कांग्रेस का 23 जून को व्यापक स्तर पर घेराव एवं प्रदर्शन**

छबड़ा (निसं)। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव होता दिखाई पड़ रहा है। कांग्रेस ने भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों पर सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे किए जाने का आरोप लगाते हुए सूची एसडीएम को सौंपकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। वही, भाजपा ने पूर्व विधायक करणसिंह राठौड पर अपने मकान के सामने अतिक्रमण कर किए टीनशेड को हटाए जाने को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है।

पूर्व विधायक करणसिंह राठौड के नेतृत्व में एसडीएम व ईओ को दिए ज्ञापन में बताया कि गरीब लोगों को अतिक्रमण के नाम पर बार-बार परेशान किया जा रहा है। जबकि बेशकीमती भूमि पर धड़ल्ले से अतिक्रमण जारी है। एसडीएम सपना कुमारी को ज्ञापन सौंपकर छबड़ा क्षेत्र की कीमती सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे हटाने तथा भूमाफियाओं के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी 15 दिनों के भीतर प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है, तो 23 जून को व्यापक स्तर पर घेराव एवं प्रदर्शन किया जाएगा। यहां ब्लॉक अध्यक्ष मनोज भार्गव एवं नगर अध्यक्ष हरीश माहेश्वरी, गोविंद सोनी दरबार, नवीन उपाध्याय, खालिद राणा, राधेश्याम मीणा, दीपक त्यागी, सतीश मालव, संजय सेन, वसीम खान, रामनरेश मीणा, मुरली मीणा, रवि लोधा, जगदीश तेजस्वी, सतीश, योगेश नामदेव, हिम्मत गुर्जर, जुनेद खान, गौरीशंकर नागर, मुकेश मीणा, फूलसिंह मीणा लाखनसिंह यादव, नंदकिशोर लोधा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इधर, भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सुमन के नेतृत्व एसडीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि वार्ड नम्बर 35 के शक्ति नगर में पूर्व विधायक करणसिंह राठौड़ द्वारा अपने मकान के सामने स्थित पार्क की जमीन पर अतिक्रमण कर टीनशेड कर अपने निजी कार्य में ले रहे हैं। इससे कॉलोनीवासियों को पार्क की सुविधा उपलब्ध नही हो पा रही हैं। इसलिए उक्त अतिक्रमण को हटाने की मांग की गई। ज्ञापन देने के दौरान गौरव सेन, गोविंद माचल, आकाष मीणा, भंवर कुशवाह, जगमोहन, रोहित अरोडा, अमित करतला, जगमोहन, विक्की मित्तल, मनोज सुमन, मनीश शर्मा, सुनील तेजस्वी, केदार सुमन आदि शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि पालिका ईओ संदीप गहलोत ने पूर्व विधायक राठौड़ की पत्नी लक्ष्मीसिंह राठौड के नाम नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली इकाईयां एवं रेलकर्मी सम्मानित

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 अभियान का समापन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ किया गया। भारतीय रेलवे द्वारा 15 मई से 5 जून तक आयोजित इस अभियान की थीम जलवायु परिवर्तन-धरती माँ की चुनौतियाँ रही।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कार्यक्रम के तहत मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक ललित कुमार धुरंधर सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात आयोजित प्रदर्शनी में मंडल के विभिन्न विभागों द्वारा अभियान अवधि में किए गए पर्यावरणीय प्रयासों एवं जागरूकता गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्काउट एवं गाइड कैडेटों ने प्लास्टिक प्रदूषण के विरुद्ध जनजागरण विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

नाटक के माध्यम से एकल-उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया गया। समापन समारोह के अंतर्गत आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में अभियान के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विभिन्न इकाइयों को सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ स्टेशन का पुरस्कार बयाना, श्रेष्ठ डिपो का पुरस्कार इलेक्ट्रिक लोको शेड तुगलकाबाद, श्रेष्ठ रेलवे कॉलोनी का पुरस्कार रामगंजमंडी, श्रेष्ठ स्वास्थ्य इकाई का पुरस्कार तुगलकाबाद स्वास्थ्य इकाई तथा श्रेष्ठ कार्यालय का पुरस्कार परिचालन विभाग को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 24 रेलकर्मियों को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया गया।

खोया पाया

मेरे प्लॉट संख्या ए-74 अश्विनी विहार बोरखेडा कोटा से संबंधित निम्न दस्तावेजों (1) भू-आवंटन पत्र क्रमांक 1935/27.9.23 (2) नगरीय कर प्रमाण पत्र क्रमांक 19351/27.9.23 कही रास्ते में गिर गया जिसे मिले निम्न पते पर सूचित करें। पता-ममता मीना पुत्री मोजीराम मीना प्लॉट नं. 5 नम्रता आवास बजरंग नगर कोटा

LR No. 3168817/2026 मो.नं. 9887750597

पश्चिम मध्य रेल

निविदा सूचना

सिगनल एवं दूर संचार विभाग

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उसकी ओर सं वरि.मं. एवं दू.सं.इंजी. (सिगनल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेल कोटा मंडल निम्नलिखित कार्यो, **KOTA/S&T/SIG/2025/42R** के लिये निर्धारित ई-निविदाएं आमंत्रित करते है टेण्डर खुलने की तारीख एवं समय 27.06.2026 एंट 14:00 इस निविदा के किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा। **टेण्डर सं.:** कोटा/एसएण्डटी/सिग/2025/42 आर, **कार्य का नाम:** इनहेसिंग सेफ्टी बाए रिप्लेसिंग डिफेक्टिव/वार्न आउट टीएलजेबी, ट्रेक लीड, पॉइन्ड इनसुलेशन, गाउण्ड कनेक्शन, लॉकेशन बॉक्स एण्ड फॉउण्डेशन, सिगनल एसेम्बलीस एण्ड फॉउण्डेशन इनक्लुडिंग ट्रेन्चिंग, लेयीग ऑफ केबिल्स टरमिनेशन इटीसी. इन द सेक्शन ऑफ एडीएसटीई/बांरा ऑन कोटा डिविजन।, **कार्य की अनुमानित लागत:** Rs. 14486191.81, **टेण्डर फॉर्म की कीमत:** नगण्य, **बयाना राशि:** Rs. 289800/-, **कार्य समाप्ति अवधि:** 12 Months, **टेण्डर जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय:** दिनांक 27.06.2026 को 14:00 बजे तक पूर्ण विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in.** पर अपलोड की गई है। निविदा/बोलीदाताओं के पास कक्षा III डिजाटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक है और आई.आर.ई.पी.एस पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहियें पंजीकृत निविदा एण्ड GSTIN रजिस्टर होना चाहिये

(हस्ता.)

वरि.मं.सं.एवं दू.सं.इंजी.(समन्वय)

पश्चिम मध्य रेल, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान

एक कदम स्वच्छता की ओर

मां भारती टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज की वार्षिक पत्रिका प्रतिबिंब का विमोचन

कोटा, (निसं)। माँ भारती टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, स्वामी विवेकानंद नगर, कोटा की वार्षिक पत्रिका प्रतिबिंब का विमोचन कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कुलपति प्रो. सारस्वत ने पत्रिका का अवलोकन करते हुए इसकी विषयवस्तु एवं प्रस्तुति की सराहना की। कहा कि महाविद्यालयीन पत्रिकाएँ विद्यार्थियों की रचनात्मकता, साहित्यिक अभिरुचि तथा संस्थान की उपलब्धियों को अभिव्यक्ति प्रदान करने का सशक्त मंच होती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अध्ययन के साथ-साथ लेखन, चिंतन एवं सृजनात्मक गतिविधियों से निरंतर जुड़े रहें। माँ भारती ग्रुप के अध्यक्ष महेश विजय ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी समान महत्व देता है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कंचन गोयल ने पत्रिका की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतिबिंब में विद्यार्थियों की साहित्यिक एवं रचनात्मक अभिव्यक्तियों के साथ-साथ महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, सामुदायिक सहभागिता तथा विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया है। कार्यक्रम में माँ भारती ग्रुप के चेयरमैन महेश विजय, निदेशक शशांक विजय, हेमा विजय, दिनेश विजय, प्रबंधक ललित शर्मा, अशोक मालवीय, मोनिका मलिक सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 525 **विक्रय स्वीकृति चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 5.5.26

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना देवनारायण नगर आवसीय का भूखण्ड/आवास संख्या डी-202 श्रीमती नीमा पत्नी श्री बनवारी लाल वैष्णव को आवंटन/नीलामी पत्र दिनांक 31.05.2023 के द्वारा आवंटन किया गया था। अतः उक्त भूखण्ड की विक्रय स्वीकृति जर्ये मुख्तारआम श्री अरविन्द कुमार मालव पुत्र श्री कृष्ण मालव द्वारा नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम विक्रय स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें. अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड संख्या डी-202 योजना देवनारायण नगर आवासीय की विक्रय स्वीकृति श्रीमती नीमा पत्नी श्री बनवारी लाल वैष्णव जये मुख्तारआम श्री अरविन्द कुमार मालव पुत्र श्री कृष्ण मालव के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां

क्रमांक-न.पा.छ./2026/1735 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-01.06.26

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति द्वारा राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 ''क'' की उपधारा (B) के अधीन स्थानीय प्राधिकरण के न्यायधीश रखी गयी भूमि का नियमितिकरण और आवंटन हेतु अधिसूचना क्रमांक एफ 3 (50) युडीएच/3/2012 मई 31.2012 के आध्याय 3 के बिन्दु सं. 16 के प्रावधानों के अन्तर्गत राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 2012 के 22 अन्तर्गत नियमितिकरण/आवंटन हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रमाण के 07 दिवस की अवधि में इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दे। समयावधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदक/हितबद्ध व्यक्ति का नाम	खसरा सं	स्थान/कॉलोनी का नाम	भूखण्ड सं.	क्षेत्रफल (वर्गफीट)
1	हेमराज कुशवाह आत्मज श्री मगनलाल जाति कुशवाह निवासी ग्राम फूलबडौदा तह. छिपाबडौद जिला बारां (राज.)	169/1377	मरूति नगर प्रथम कॉलोनी	197	20x40 =800

नोट- उक्त भूखण्ठ अनुमोदित योजना के ले-आउट प्लान की सीमा से बाहर व मास्टर प्लान 2023 में दर्शित भू-उपयोग से भिन्न होने की स्थिति में पत्रावली निरस्त कर दी जावेगी।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबडा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक-559 **जाहिर आम सूचना** दिनांक-05.06.26

आवास संख्या 3-आई-74 महावीर नगर विस्तार, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री गिरधर शर्मा पुत्र श्री लाल चन्द शर्मा को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मांगीलाल के नाम दिनांक 24.02.2021 को किया गया। उक्त आवास का पंजीयन श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मांगीलाल द्वारा दिनांक 26.03.2021 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री मांगीलाल की मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों मे श्री पवन कुमार एवं श्री राजकुमार पुत्रान स्व. श्री मांगीलाल द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड आलेखित कर दिनांक 20.02.2026 को इनकी बहिन श्रीमती मोना पुत्री स्व. श्री मांगीलाल के पक्ष में किया गया। श्रीमती मोना पुत्री स्व. श्री मांगीलाल का नाम उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में रिलीड डीड के आधार पर दिनांक 08.04.2026 को दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्रीमती मोना पत्नी श्री रामप्रसाद पुत्री स्व. श्री मांगीलाल द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 08.05.2026 को श्री धीरेन्द्र राज मीणा पुत्र श्री हरिशंकर मीणा को किया गया। श्री धीरेन्द्र राज मीणा पुत्र श्री हरिशंकर मीणा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 3-आई-74 महावीर नगर विस्तार, कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मण्डल अभिलेख मे दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री धीरेन्द्र राज मीणा पुत्र श्री हरिशंकर मीणा का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार / व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री धीरेन्द्र राज मीणा पुत्र श्री हरिशंकर मीणा का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में श्री धीरेन्द्र राज मीणा पुत्र श्री हरिशंकर मीणा का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा। **उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा**

सार-समाचार

खाण्डल विप्र महासभा कोटा की नवीन कार्यकारिणी घोषित

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय श्री खाण्डल विप्र महासभा (पुष्कर) की कोटा शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जनक कुमार जोशी ने आगामी 3 वर्षों के लिए हाड़ौती संभाग की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में हुई बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों के नामों पर मुहर लगाई गई। नई टीम ने समाज के उत्थान और विशेष रूप से नवीन बालिका छात्रावास के निर्माण को अपनी मुख्य प्राथमिकता घोषित किया है। मुख्य पदों पर इन्हें मिली जिम्मेदारी-प्रेस सचिव योगेश जोशी ने बताया कि नई कार्यकारिणी में रमेश अमेरिया को कार्यकारी अध्यक्ष, रतनलाल नवहाल को महासचिव, ओम प्रकाश चोटिया को, सह सचिव तथा लक्ष्मीनारायण शर्मा को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं समाज के वरिष्ठ सदस्य संवारमल रूंथला को संरक्षक मनोनीत किया गया है। उपाध्यक्ष व अन्य पदों का विस्तार-विभिन्न पदों पर समाज के सक्रिय कार्यकर्ताओं को जोड़ते हुए टीम का विस्तार किया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदलाल सिरोठा, विजय कुमार जोशी, रामगोपाल शास्त्री, सुरेश चोटिया एवं घनश्याम बस्सीवाल, उपाध्यक्ष दीपक काछवाल, घासीलाल पटेल, वीरेंद्र बील, प्रहलाद हुचरिया, शिव प्रकाश, छोटू लाल बील, कन्हैया लाल एवं प्रभु लाल बस्सीवाल, सह कोषाध्यक्ष महावीर हुचरिया, संगठन मंत्री प्रहलाद जोशी, आय-व्यय निरीक्षक सीताराम बढ़ाढरा, कानूनी सलाहकार मनोज नवहाल एवं सत्यनारायण सांस्कृतिक मंत्री रोहित व्यास, प्रदीप, पवन एवं बनवारी बनाए गए। इसके अलावा समाज की गतिविधियों को गति देने के लिए 33 सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

छबड़ा (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट परिसर में पर्यावरण संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य अभियंता विरेंद्र कुमार द्वारा किया गया। जिसमें थर्मल पॉवर प्लांट के उच्च अधिकारियों और पर्यावरण विभाग के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। थर्मल परिसर के प्रशासनिक भवन में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य रूप से औद्योगिक उत्सर्जन को नियंत्रित करने, फ्लाई ऐश के सही प्रबंधन और परिसर के ग्रीन बेल्ट (हरित क्षेत्र) को और अधिक मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी विषयों पर विचार साझा किए गए। यहां मुख्य अभियंता विरेंद्र कुमार ने कहा कि औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट बिजली उत्पादन के साथ-साथ कड़े पर्यावरणीय मानकों का पूरी संजीदगी से पालन कर रहा है। आज लगाए गए पौधे भविष्य में इस पूरे क्षेत्र को एक स्वच्छ और हरित वातावरण प्रदान करेंगे। इस दौरान पर्यावरण विभाग और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने छायादार, फलदार और प्रदूषण-नियंत्रक पौधों का रोपण किया। सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि इन पौधों की नियमित रूप से देखभाल और ड्रिप सिंचाई आदि के माध्यम से सुरक्षा की जाएगी। पौधों की देखरेख की अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे

रामगंजमंडी, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रामगंजमंडी के गोवर्धनपुरा माताजी मंदिर परिसर में गायत्री परिवार की युवा शाखा दिया (डिवाइन इंडिया यूथ एसोसिएशन) द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। इस अवसर पर संस्था द्वारा शहर को हराभरा बनाने के उद्देश्य से ग्रीन रामगंजमंडी मिशन की औपचारिक शुरुआत की गई। अभियान के प्रथम चरण में मंदिर परिसर में 11 पौधों का रोपण कर वर्ष 2026 के वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। रामगंजमंडी के संयोजक आशीष पोरवाल एवं संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि मिशन का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनका संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य से ष्एक व्यक्ति एक पौधा तथा एक परिवार-पाँच पौधे जैसे जनजागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, ताकि प्रत्येक वार्ड में वृक्षारोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित हो सके।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

कोटा, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोटा के कांग्रेस एसटी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कर्मेंद्र मीणा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर रायपुरा कोटा स्थित आवासीय योजना में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष राखी गौतम मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राखी गौतम ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रवेश के लिए अंतिम तिथि आज

छबड़ा (निसं)। राजकीय महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष के ऑनलाइन प्रवेश के लिए अंतिम तिथि 6 जून तक बढ़ा दी गई हैं। प्रवेश नोबेल अधिकारी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि महाविद्यालय में अब तक 200 सीटों के विरुद्ध लगभग 650 ऑनलाइन आवेदन आ चुके हैं। वही राजकीय कन्या महाविद्यालय के कार्यवाहक प्रवेश नोडल अधिकारी चेतन गुर्जर के अनुसार कन्या महाविद्यालय में 200 सीटों के विरुद्ध लगभग 500 प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आ चुके हैं।

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे गंभीर चुनौती : कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत

कोटा, (निसं)। कोटा भारत विकास परिषद् राजस्थान दक्षिण-पूर्व प्रांत एवं कोटा विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय सीड बॉल निर्माण कार्यशाला का समापन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया गया 200 से अधिक अतिथियों की उपस्थिति में किया गया।

भारत विकास परिषद् दक्षिण पूर्व प्रांत महासचिव पराग टोंग्या ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। 20 मई से 5 जून तक चले इस अभियान का प्रभाव यह रहा कि कार्यशाला में सीखा हुआ हर व्यक्ति अपने अपने क्षेत्रों में जाकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान निभायेगा और इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन लोगों को इस अभियान से जोड़ेगा।

पर्यावरण संयोजक डा प्रियंका सैनी ने बताया की अतिथियों का स्वागत वनस्पति शास्त्र विभाग की आंतरिक समन्वयक डॉ. श्वेता व्यास ने किया। विभाग की समन्वयक डॉ. मृदुला खंडेलवाल ने 15 दिवसीय कार्यशाला की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की संपूर्ण झलक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित की।

मुख्य वक्ता के रूप में भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय गतिविधि सदस्य (पर्यावरण) लोकेश मित्तल ने पर्यावरण संबंधी वैश्विक चुनौतियों एवं समस्याओं से जुड़े विभिन्न आंकड़े प्रस्तुत करते हुए जनभागीदारी आधारित संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। विषय विशेषज्ञ अनुराग भटनागर, उप वन संरक्षक (वन्यजीव), कोटा ने कहा कि पर्यावरण केवल वृक्षारोपण तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसमें जंगल, जमीन, जल, जैव विविधता एवं वन्यजीवों का संरक्षण भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को प्रकृति के साथ अपना जुड़ाव बनाए रखना होगा, तभी पर्यावरण का वास्तविक संरक्षण संभव हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि हर पेड़ हजारों जीवों का घर होता है। साथ ही उन्होंने सीड बॉल के वैज्ञानिक उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक बीज की अपनी आयु, उपयुक्त जलवायु एवं अंकुरण की परिस्थितियां होती हैं, इसलिए सीड बॉल का वितरण एवं उपयोग सोच-समझकर किया जाना चाहिए।

विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मांगरोल, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर नगर पालिका मांगरोल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत राजा जी बाग में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया तथा नागरिकों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संदेश दिया गया। पौधारोपण के उपरांत पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए उनके चारों ओर लोहे की जालियां भी लगाई गई। इसके साथ ही महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा श्रमदान कर राजा जी के बाग परिसर में साफ-सफाई की गई। इसके पश्चात राजा जी बाग से रामद्वारा स्कूल तक पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित जीवनशैली अपनाने का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रंगोली निर्माण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता से संबंधित आकर्षक संदेशों को रंगोली के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। उपस्थित नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम में नगर पालिका मांगरोल अधिशाषी अधिकारी भावेश रजक, कनिष्ठ अभियंता अक्षय गालव, स्वच्छ भारत मिशन अभियंता सुमित गालव, आईईसी पार्टनर श्री ऐ.के. बालाजी की टीम के सदस्य प्रमोद मीणा, मोनिका मीणा, सुचिता गोचर सहित नगर पालिका मांगरोल का समस्त स्टॉफ एवं सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

'रन फॉर एनवायरनमेंट' का आयोजन

बूंदी, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिला पर्यावरण समिति की ओर से रन फॉर एनवायरनमेंट का आयो

जन किया गया। इस मौके पर जिला कलेक्टर हरफूल सिंह यादव ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। स्वयं जिला कलेक्टर ने भी आमजन के साथ इस दौड़ में हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

दौड़ शुरू होने से पहले आयोजन समिति की ओर से सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट और कैप का वितरण किया गया। रन फॉर एनवायरनमेंट की शुरुआत शहर के खेल संकुल से हुई। धावकों का यह जत्था छत्रपुरा रोड, कुंभा स्टेडियम के सामने से गुजरते हुए राजकीय महाविद्यालय होकर सर्किट हाउस पहुंचा। यहां से होते हुए दौड़ वापस खेल संकुल पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते भर प्रतिभागियों ने लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया

कोटा, (निसं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महिला कांग्रेस कोटा शहर जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम के नेतृत्व में महावीर नगर विस्तार योजना स्थित देव नारायण मंदिर पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर शालिनी गौतम ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, घटता हरित क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। ऐसे समय में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह प्रकृति के संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि वृक्ष पृथ्वी का जीवन आधार हैं। ये न केवल हमें शुद्ध वायु और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, जल संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की नींव भी तैयार करता है।

कोटा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महिला कांग्रेस कोटा शहर जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया।

शालिनी गौतम ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्र से की जा सकती है। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शशि प्रभा माथुर, रुचि अग्रवाल, लाड़ कंवर गोचर, अंकुर गौतम, रमेश यादव, रामसिंह चौहान, गिरिराज गोचर, दीपक योगी, भगवान सिंह भाटी, राजेश सोनी, महेश माधवानी, कैलाश पेशवानी, सुरेंद्र गुप्ता, प्रियांशु, सुमित शर्मा, जीतू सुमन, सुनील मीना, रितेश, सोनू आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आधुनिक टेस्ट क्रिकेट में अब पारंपरिक 'मूविंग डे' तीसरे दिन नहीं, बल्कि पहले दिन ही आ गया है। - **काइल जैमीसन**

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज, पहले दिन 16 विकेट गिरने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

एंडोनी इराओला

प्रीमियर लीग क्लब लिवरपूल ने पूर्व बॉर्नमाउथ मैनेजर एंडोनी इराओला दो साल के अनुबंध पर टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया। क्लब ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। 43 वर्षीय इराओला डच कोच आर्ने स्लॉट की जगह लेंगे। स्पेन के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इराओला ने 2003 से 2015 तक एथलेटिक बिलबाओ के लिए खेला था। उन्होंने 2023 में बॉर्नमाउथ की कमान संभाली और क्लब के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया। 2024-25 सीजन में बॉर्नमाउथ ने 56 अंक हासिल किए और लीग में नौवां स्थान प्राप्त किया।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे बड़ी जीत : भारत ने 12 दिसंबर 1956 को सिडनी में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया को 7-1 से हराया था।

66वां केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर आज से बांसवाड़ा में

जयपुर, 5 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर के द्वारा बांसवाडा जिले में 66वां केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शनिवार से जिला खेल स्टेडियम, बांसवाडा में किया जायेगा। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि 21 दिवसीय शिविर के उद्‌घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जनजाति क्षेत्रिय विकास विभाग मंत्री श्री बाबूलाल खराडी होगें। उन्होने बताया कि शिविर 6 जून से 26 जून तक आयोजित किया जायेगा। इस दौरान बालक/बालिका खिलाडियों को नि:शुल्क आवास, भोजन और कोचिंग दी जायेगी। राजकेश मीणा ने बताया कि बांसवाडा शिविर का निदेशक जिला खेल अधिकारी श्री धनेश्वर मईडा को नियुक्त किया गया है, शिविर का समन्वयक श्री नरेन्द्र भूरिया, खेल प्रबन्धक को बनाया गया है। उन्होने बताया कि शिविर में 9 खेलों को शामिल किया गया है, जिसमें हॉकी, खो-खो, एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, हैंडबाल, तीरंदाजी, बास्केटबाल और फुटबाल है। शिविर में 151 बालक और 122 बालिकाओं सहित कुल 273 खिलाडी भाग ले रहें है।

राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता आज से लालगढ़ जांटान में आयोजित होगी

जयपुर, 5 जून। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में ज़िला हैंडबॉल संघ, श्रीगंगानगर द्वारा 43वीं राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक एवं बालिका)-2026-27 का आयोजन 6 से 9 जून तक लालगढ़ जाटान (श्रीगंगानगर) में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 54 टीमे भाग ले रही है, जिसमें बालक वर्ग में 34 एवं बालिका वर्ग में 20 टीमे भाग ले रही है। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट कम सुपर लीग के आधार पर खेली जायेगी। प्रतियोगिता के लिये चार ग्राउंड तैयार किये गये है। जिसमें एक फ्लड लाइट ग्राउंड है।प्रतियोगिता के दौरान ही आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के राज्य बालक एवं बालिका टीमों के लिए 30-30 संभावितों का भी चयन राज्य हैंडबॉल संघ द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा। प्रतियोगिता का उद्‌घाटन शनिवार शाम 6.30 बजे विधायक, सादुलशहर गुरवीर सिंह बराड़ करेंगे। बालक वर्ग की टीमों को आठ एवं बालिका वर्ग की टीमों को चार पूल में बाँटा गया है। बालक वर्ग:- पूल ए- श्रीगंगानगर, अजमेर, टोंक , उदयपुर। पूल बी-में जयपुर, अलवर, चूरू, इंस्पिरेशन अकैडमी जोधपुर। पूल सी- भीलवाड़ा, झालावाड़, जालोर, जय भवानी अकैडमी। पूल डी-बीकानेर, बारां, जैसलमेर, एस टी सी नोसगे। पूल ई- बूंदी, हनुमानगढ़, प्रतापगढ़, आर पी भादू अकैडमी। पूल एफ- जयपुर हैंडबॉल अकैडमी, बांसवाड़ा, राजसमंद, सीकर। पूल जी- ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकैडमी, चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर, कृपा बाबा अकैडमी, महाराणा प्रताप अकैडमी। पूल एच- करौली, नागौर, दुलमाना अकैडमी, माही अकैडमी बांसवाड़ा, बाड़मेर। बालिका वर्ग:- पूल ए-जयपुर, सीकर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, दुलमाना अकैडमी। पूल बी- श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, महाराणा प्रताप अकैडमी चित्तौड़गढ़, बीकानेर, भौम सिंह अकैडमी। पूल सी- टोंक, अजमेर, जोधपुर, ज्ञान ज्योति अकैडमी, माही अकैडमी बांसवाड़ा। पूल डी- हनुमानगढ़, चूरू, करौली, सिरोही, जयपुर हैण्डबॉल अकैडमी।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जयपुर की टीमें:- बालक वर्ग-उपेंद्र सिंह राठौड़ (कप्तान), पुष्पेंद्र सिंह, विकाश, जसमन सिंह, गौरव, आशीष, रमन सुथार, दुष्यंत बैरवा, विकास यादव, करण महावर, वीरेंद्र प्रताप सिंह, नरेश। **बालिका वर्ग:-** ममता मिठारवाल (कप्तान), हिना कुमारी वैष्णव, मुस्कान, गीतांजलि, गुड्डी, प्रियंका, वर्षा जाखड़, विशाखा, काजल कंवर, दीपिका, निशा, काजल गुर्जर।

ब्रदर्स फुटबॉल क्लब और रॉयल फुटबॉल क्लब जीते

जयपुर, 5 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर के फुटबॉल मैदान पर रविवार को अंडर - 13 राजस्थान लीग के चार मैच खेले गए । राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज खेले गए पहले मुकाबले में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबाल स्कूल को 4-0 से पराजित किया। ब्रादर्स की तरफ से समर्थ कुमार, ने 52,70 मिनट पर जसन, ओर नकुल, ने 15 ओर 49 मिनिट पर गोल किए। दूसरे मुकाबले में जयपुर एलीट ओर जयपुर फूटसाल क्लब के बीच एक संघर्ष पूर्ण मुकाबला हुआ जिसमें दोनों ही टीम गोल करने में नाकाम रही मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा। तीसरे मैच में रॉयल फुटबॉल क्लब ने ए एस एल फुटबाल क्लब को 6-2 से पराजित किया। रॉयल की तरफ से समर परताप ने 16 और 21 मिनट, पर मुबिन ने 22, ओर 30 मिनट मोहित ओर निदेश ने 20 ओर 25 मिनट पर गोल किया। ए एस एल की तरफ से राजेंद्र ने 4,8 मिनिट पर गोल किया। आखरी मैच जयपुर बॉयज और गर्ल्स फुटबॉल क्लब ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब को 3-0 से पराजित किया जिगर ने 18, मिनट में, कुणाल कलाल ने 42, मिनट पर ओर आयन 55, गोल किया।

बीसीसीआई आज करेगा 4 टीमों का ऐलान, मिलेगा नया कप्तान

नई दिल्ली, 5 जून। भारतीय क्रिकेट बोर्ड शनिवार को चार सीरीज/टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम का ऐलान करेगा। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार अजीत अगरकर और सचिव देवजीत सौकिया की अगुवाई वाली पुरुष चयन समिति शनिवार को बीसीसीआई मुख्यालय में आगामी विभिन्न सीरीज और टूर्नामेंट के लिए भारत की टीमों के चयन को लेकर लिए बैठक करेगी। बैठक में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज, जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेल के लिए सीनियर टीम की घोषणा और श्रीलंका में होने वाले दो बहुदिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम का चयन किया जायेगा। चयन बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में टीमों की घोषणा की जायेगी।

कब होगी प्रेस कॉन्फ्रेंस

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की एक विज्ञप्ति के अनुसार चयन समिति की बैठक बोर्ड के मुख्यालय में होगी, जिसके बाद मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और सचिव देवजीत सैकिया मीडिया को संबोधित करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर एक बजे के करीब होगी। इस दौरान चयनकर्ता नए कप्तान का भी ऐलान करेंगे। टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनके पद से हटाया जा रहा है। इसके अलावा उनको टीम से भी बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर टीम के नए कप्तान बनने के प्रबल दावेदार हैं। तिलक वर्मा को टी20 टीम का उप-कप्तान बनाया जा सकता है।

श्रेयस को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

अय्यर को आईपीएल में एक कप्तान और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन करने का इनाम मिल रहा है। उनकी कप्तानी में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी (दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स) आईपीएल फाइनल पहुंची और उन्होंने एक बार ट्रॉफी जीती है। इसके अलावा कप्तान रहते हुए उनकी बल्लेबाजी फॉर्म में कोई गिरावट नहीं आई है। उनकी एकमात्र कमी इस साल आईपीएल के दूसरे भाग में पंजाब किंग्स के खराब प्रदर्शन में देखने को मिली है, जबकि शुरुआत में उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में आइची-नागोया में होंगे और निर्धारित समय सीमा को देखते हुए टीम की घोषणा समय से पहले की जा रही है। ऐसी संभावना है कि मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा नए उप-कप्तान होंगे, जबकि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा।

चयन समिति ब्रिटेन दौरे और सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए दो अलग-अलग टीमों की घोषणा करेगी। एशियाई खेलों के लिए तिलक वर्मा को कप्तान बनाया जा सकता है और सूर्यवंशी के भी उस टी20 टीम का हिस्सा होने की संभावना है। कुछ नए नाम इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिनमें तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे भी शामिल हैं।

भारत का इंग्लैंड दौरा

भारत के यूके दौरे की शुरुआत आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से होगी। आयरलैंड के खिलाफ 26 जून और 28 जून को दो टी20 मैच खेला जाएगा, जहां श्रेयस अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड जाएगी, जहां वो पांच टी20 और तीन वनडे मैच एक जुलाई से खेलेगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच शनिवार से खेला जाएगा। इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ पहला वनडे 13 जून, दूसरा वनडे 17 जून को लखनऊ में और तीसरा वनडे 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। भारत इसके बाद अपना अगला वनडे इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई को खेलेगा। तब भारतीय टीम तीन वनडे मैच की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी।

खराब रोशनी में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में

नतीजा निकलने का मौका मिलना चाहिए : गंभीर

न्यू चंडीगढ़, 5 जून । भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें खराब रोशनी की स्थिति में टेस्ट मैच के दौरान लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद के इस्तेमाल की बात कही गई है।

गंभीर ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा कि यदि मैच का परिणाम निकालने का मौका बनता है, तो उसे हर हाल में उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यदि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए आखिरी टेस्ट निर्णायक हो और खराब रोशनी के कारण पूरा मैच न खेला जा सके, तो यह टीमों के साथ अन्याय होगा।

उन्होंने कहा, मैं इस विचार का समर्थन करता हूं। अगर दोनों टीमों के कप्तान सहमत हों और मैच का परिणाम निकल सकता हो, तो ऐसा होना चाहिए। खिलाड़ी दो साल मेहनत करते हैं और अगर खराब रोशनी की वजह से अवसर छिन जाए तो यह उचित नहीं होगा।

भारतीय टीम हाल ही में घरेलू टेस्ट शृंखला में दक्षिण अफ्रीका से 2-0 से हार चुकी है। फिलहाल भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में नौ मैचों में 48.15 प्रतिशत अंकों के साथ छठे स्थान पर है। इसके बावजूद गंभीर ने फाइनल में पहुंचने को लेकर भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, जब तक आपके पास फाइनल में पहुंचने का मौका है, तब तक उम्मीद बनी रहती है। हमारे पास प्रतिभा और गुणवत्ता दोनों हैं। एक खराब शृंखला से हमारी क्षमता कम नहीं हो जाती। ड्रेसिंग रूम में हर खिलाड़ी मानता है कि हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत सकते हैं।

साई सुदर्शन को और मौके देने के पक्ष में गंभीर

अफगानिस्तान टेस्ट भले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, लेकिन श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली टेस्ट शृंखलाओं से पहले यह भारत के लिए महत्वपूर्ण मुकाबला माना जा रहा है। भारत को तीसरे क्रम के बल्लेबाज की तलाश है, क्योंकि शुभमन गिल के चौथे स्थान पर जाने के बाद यह स्थान खाली हुआ है। इस स्थान के लिए साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को विकल्प माना जा रहा है।

हालांकि गंभीर ने साफ किया कि साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त अवसर नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा, साई ने अभी बहुत कम टेस्ट खेले हैं और उनका टेस्ट करियर इंग्लैंड जैसे कठिन हालात में शुरू हुआ। उन्होंने हाल में शानदार प्रदर्शन किया है और उन्हें उचित अवसर मिलना चाहिए।

देवदत्त पडिक्कल को लेकर गंभीर ने कहा कि उनका समय आने पर उन्हें भी लगातार मौके दिए जाएंगे, लेकिन फिलहाल टीम साई सुदर्शन को लंबा अवसर देना चाहती है। उन्होंने कहा, अगर हम किसी खिलाड़ी को सिर्फ चार-पांच टेस्ट के आधार पर आंकेंगे तो भविष्य की मजबूत टीम नहीं बना पाएंगे। साई विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पाकिस्तान ने ठुकराया भारत का निमंत्रण, एशियाई तलवारबाजी प्रतियोगिता में नहीं भेजेगा अपनी टीम

नई दिल्ली, 5 जून। नई दिल्ली में इस महीने आयोजित होने जा रही एशियाई वरिष्ठ तलवारबाजी प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। हालांकि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। पाकिस्तान ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है, जबकि भारत की ओर से उसे आधिकारिक निमंत्रण दिया गया था।

बता दें कि भारत पहली बार इस प्रतिष्ठित एशियाई प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। यह प्रतियोगिता 19 जून से नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी। मौजूद जानकारी के अनुसार एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के 30 से अधिक देशों के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले हैं।

भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता ने बताया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों देशों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। हालांकि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने तक दोनों देशों की ओर से किसी भी खिलाड़ी या दल का पंजीकरण नहीं कराया गया है। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय खेल संबंधों पर रोक बनी हुई है। इसके बावजूद भारत ने स्पष्ट किया था कि बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसी नीति के तहत पाकिस्तान को इस प्रतियोगिता का निमंत्रण भेजा गया था।

राजीव मेहता ने बताया कि अब खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए यात्रा दस्तावेजों की प्रक्रिया चल रही है। प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तिथि काफी पहले समाप्त हो चुकी है और अब प्रतियोगिता के संचालन से जुड़े अंतिम इंतजाम किए जा रहे हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार इस प्रतियोगिता के दौरान एशियाई तलवारबाजी परिसंघ की महासभा की बैठक भी आयोजित होगी। यह पहली बार होगा जब इस संस्था का शीर्ष नेतृत्व भारत में एकत्रित होगा। अंतरराष्ट्रीय तलवारबाजी महासंघ के अंतरिम अध्यक्ष अब्देलमोनेइम एल हुसेनी के भी इस अवसर पर भारत आने की संभावना जताई गई है।

प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर भारतीय तलवारबाजी संघ लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समन्वय कर रहा है। आयोजकों का कहना है कि खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

हालांकि कुछ देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों को यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राजीव मेहता ने बताया कि हांगकांग के प्रतिनिधियों को यात्रा दस्तावेजों के लिए समय मिलने में परेशानी हो रही है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कुछ आवेदनों को भी स्वीकृति नहीं मिल सकी है।

गौरतलब है कि गुरुवार को 200 से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों से जुड़े दस्तावेजों को मंजूरी दी गई है। इसके बावजूद कुछ मामलों में प्रक्रिया अभी जारी है। आयोजकों को उम्मीद है कि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले सभी लंबित मामलों का समाधान कर लिया जाएगा।

नॉर्वे शतरंज 2025 : प्रज्ञानानंद ने ऑल-इंडियन मुकाबले में गुकेश को हराया, खिताबी दौड़ में बरकरार

ओस्लो (नॉर्वे), 5 जून। नॉर्वे शतरंज 2026 के नौवें दौर में शुक्रवार को रोमांच चरम पर पहुंच गया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब की दौड़ को अंतिम दौर तक जीवित रखा। वहीं महिलाओं की प्रतियोगिता में बिबीसारा अस्साउबायेवा ने एक दौर शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में वेस्ली सो ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और अंतिम दौर से पहले अपनी बढ़त बनाए रखी। दिन का सबसे बड़ा परिणाम भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में देखने को मिला। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंद ने गुकेश को पराजित किया। मध्य खेल (मिडल गेम) में दबाव बनाने के बाद प्रज्ञानानंद ने शानदार तरीके से मैच अपने नाम किया और पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के बाद प्रज्ञानानंद के 15 अंक हो गए हैं और वे अब शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो से केवल आधा अंक पीछे हैं। दूसरी ओर, फ्रांस के अलीरजा फिरोजज़ा भी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में कठिन स्थिति से वापसी की और बाद में आर्मागेडन में विन्सेंट कीमर को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए।

स्पिन के भरोसे टीम इंडिया को मात देगा अफगानिस्तान : कोच फिल पायबस

न्यू चंडीगढ़, 5 जून। अफगानिस्तान के मुख्य कोच रिचर्ड पायबस ने शुक्रवार को कहा कि भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच का परिणाम काफी हद तक इस पर निर्भर करेगा कि दोनों टीम के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी की चुनौती का सामना कैसे करते हैं। भारत और अफगानिस्तान दूसरी बार टेस्ट क्रिकेट में एक दूसरे का सामना करेंगे। इससे पहले इन दोनों टीम के बीच 2018 में बेंगलुरु में टेस्ट मैच खेला गया था जिसे भारत ने दो दिन के अंदर जीत लिया था। मुख्य कोच रिचर्ड पायबस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से कहा, पिच पर घास कब तक बनी रहती है और दोनों टीम के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजों का किस तरह से सामना करते हैं, इससे भी टेस्ट मैच का परिणाम तय होगा। अफगानिस्तान की टीम में उनके स्टार स्पिनर राशिद खान नहीं हैं, जिन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत विश्राम दिया गया है। यह लेग स्पिनर आईपीएल में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेला था और उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी। पायबस ने कहा कि राशिद को लंबे समय से पीठ से जुड़ी समस्या रही है। उन्होंने कहा, राशिद खान को लंबे समय से पीठ की समस्या है, लेकिन अगर उनकी टेस्ट क्रिकेट में खेलने की कोई संभावना है तो मैं उनसे बात करूंगा।

लॉर्ड्स में इंग्लैंड का मास्टरस्ट्रोक, 140 पर ढेर होकर भी कीवी टीम को किया पस्त

नई दिल्ली, 5 जून। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच शुरू हुए पहले टेस्ट मुकाबले का पहला दिन रोमांच और उतार-चढ़ाव से भरपूर रहा है। बादलों से ढका आसमान, गेंदबाजों के लिए मददगार पिच और लगातार स्विंग व सीम मूवमेंट ने बल्लेबाजों के लिए हालात बेहद कठिन बना दिए हैं। यही वजह रही कि पहले ही दिन दोनों टीमों के कुल 16 विकेट गिर गए हैं। न्यूज़ीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और उनका निर्णय पूरी तरह सही साबित हुआ है। काइल जैमीसन ने वापसी मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी है।

एशियन जूनियर स्क्वैश में राजस्थान का दमदार प्रदर्शन, खेलमंत्री ने खिलाड़ियों को दी बधाई

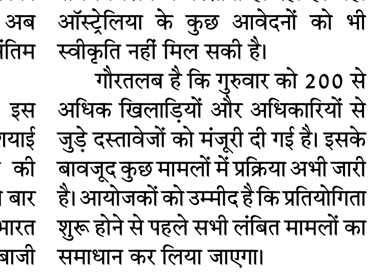

जयपुर, 5 जून। चीन में आयोजित एशियन जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर लौटे राजस्थान के युवा खिलाड़ियों को शुक्रवार को प्रदेश के खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बधाई दी और अभिनंदन किया। एशियन चैंपियनशिप में अंडर-13 गर्ल्स वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली दिव्यांशी जैन और अंडर-13 बॉयज वर्ग में पांचवां स्थान हासिल करने वाले धैर्य गोगिया ने भारतीय टीम की कोच सुरभि मिश्रा के साथ खेलमंत्री से मुलाकात की। ये दोनों खिलाड़ी एसएमएस स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी के प्रशिक्षु हैं।

खेलमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों को राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के खिलाड़ी लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांशी को कांस्य पदक जीतने पर विशेष बधाई दी और धैर्य के प्रदर्शन की भी सराहना करते हुए भविष्य में और बेहतर परिणाम देने का विश्वास जताया।

मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने जयपुर स्थित एसएमएस स्टेडियम परिसर में स्क्वैश के लिए अत्याधुनिक ग्लास कोर्ट स्थापित कराने की मांग रखी। इस पर खेलमंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए ग्लास कोर्ट का कार्य शीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराया

काकामिगाहारा (जापान), 5 जून। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-3 से हराकर अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अंतिम क्वार्टर तक 2-3 से पीछे चल रही भारतीय टीम ने जबरदस्त आक्रामक खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की जीत के नायक आशीष तानी पूर्ति रहे, जिन्होंने चार गोल दागकर मैच का रुख बदल दिया।

राजस्थान क्रिकेट में ऐतिहासिक पहल : पहली बार 8 जिलों में एक साथ राज्य स्तरीय सीनियर महिला चैम्पियनशिप का आयोजन : डॉ. मोहित

जयपुर, 5 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादवके अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और सभी जिलों को समान अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए पहली बार राज्य स्तरीय सीनियर महिला चैंपियनशिप 2026-27 का आयोजन 8 जून से राज्य के 8 जिला केंद्रों में किया जा रहा है। संयोजक के अनुसार द्वारा पूर्व में किए गए ''सभी जिलों की समान भागीदारी'' के वादे को इस प्रतियोगिता के माध्यम से धरातल पर उतारा गया है। पहली बार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता को एक ही स्थान पर सीमित न रखकर विभिन्न जिलों में आयोजित किया जा रहा है, जिससे क्रिकेट गतिविधियों का विकेंद्रीकरण होगा और स्थानीय खिलाड़ियों को अपने जिले में उच्च स्तरीय प्रतियोगिता खेलने का अवसर प्राप्त होगा।

अरिष्ट सिंघवी, सदस्य आरसीए एडहॉक के अनुसार प्रतियोगिता के लीग दौर के मुकाबले 8 - 12 जून 2026 के दौरान 8 जिला केंद्रों पर आयोजित होंगे व नॉक आउट दौर (प्री क्वाटर, क्वाटर, सेमीफाइनल व फाइनल) दिनांक 14 से 18 जून के दौरान जयपुर में आयोजित होंगे।प्रतियोगिता मेंमहिला खिलाड़ियों को मिलेगी उच्च स्तरीय सुविधाएं व खेल मैदान। प्रतियोगिता के लीग मुकाबले 8 जून से उदयपुर में व 10 जून से जयपुर, उदयपुर झुंझुनूं, अलवर, जोधपुर, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा एवं राजसमंद में आयोजित होंगे। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों क्रिकेट संघों की टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट में प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। इससे खिलाड़ियों को अधिक प्रतिस्पर्धात्मक मैच खेलने का अवसर मिलेगा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना प्रदर्शन दिखनेका उचित अवसर प्राप्त होगा।

धनञ्जय सिंह खींवसर, सदस्य, आरसीए एडहॉक के अनुसार राज्य में महिला क्रिकेट के विकास की दिशा में यह कदम राजस्थान क्रिकेट के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में प्रदेश में महिला क्रिकेट का आधार और अधिक मजबूत होगा। जिससे राज्य में महिला क्रिकेट को जिला स्तर तक मजबूत आधार मिलेगा।

जयपुर जिला शूटिंगबाल के शिवराज सिंह शक्तावत अध्यक्ष व संग्राम सिंह सचिव

जयपुर, 5 जून। जयपुर जिला शूटिंगबाल संघ की चुनावी साधारण सभा मे जयपुर जिला शूटिंगबाल संघ के आगामी चार वर्षो के लिये हुये चुनावो मे शिवराज सिंह शक्तावत अध्यक्ष , संग्राम सिंह सचिव व अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी रहे डी.एन.उपाध्याय पुनः कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित किये गये।

निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार शर्मा ने जयपुर जिला क्रीडा परिषद के पर्यवेक्षक खेल अधिकारी मानसिंह , जिला औलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक राहुल तंवर, राज्य शूटिंगबाल संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पर्यवेक्षक के. आर. खान के पर्यवेक्षण मे जयपुर जिला शूटिंगबाल संघ की निर्विरोध निर्वाचित कार्यकारिणी की आज घोषणा की जिसमे अध्यक्ष शिवराज सिंह शक्तावत उपाध्यक्षः इंदुराज शर्मा, आशा उपाध्याय, हरिनारायण मीणा, कमलेश कुमार जागीड,भूपेन्द्र त्यागी, सचिवः संग्राम सिंह, कोषाध्यक्षः डी.एन. उपाध्याय, संयुक्त सचिवः संजय शर्मा, आर.पी. शेरावत, अशोक श्रीमाल, दिलीप सिंह भाटी तथा सदस्य कार्यकारिणी मे शेख सलीम, अंजु शेरावत, गीता कंवर, फूलचंद सैनी, कमल चौधरी, रामेश्वर सैनी, जीतराम चौधरी चुने गये। राज्य संघ अध्यक्ष दयानन्द उपाध्याय जो जिला संघ जयपुर के पुनः कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुये है ने प्रेषित विज्ञप्ति मे बताया की निर्वाचित जिला संघ जयपुर की प्रथम कार्यकारिणी व साधारण सभा बैठक मे मुख्य संरक्षक : महंत कैलाश शर्मा संरक्षकः अशोक परनामी भू.पू. अध्यक्ष प्रदेश भाजपा,विमल कटियार पार्षद,रामबाबू सैनी व मिर्जा मुनव्वर बेग तथा डी के माथुर को बनाया गया चैयरमैनः ए.के.ओबराय, उप - चैयरमैन : मनजीत राय को बनाया गया। आमंत्रित सदस्य के रुप मे उपाध्यक्ष पद पर राजेन्द्र शर्मा व रैणु शक्तावत को नियुक्त किया गया।

अखिल भारतीय श्री नारायणी धाम प्रबन्ध एवं विकास महासभा समिति
मुख्यालय - नारायणी धाम, (अलवर)
क्रमांकः 24/2026 दिनांक : 03.06.2026
आम सभा सूचना
आम सैन समाज/सदस्यगणों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 25 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से श्री नारायणी धाम (अलवर) पर आम सभा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें संस्था के संविधान में आवश्यक संशोधन, किये गये केसों, पदयात्रा महासंगम व अन्य बिन्दुओं पर निर्णय हेतु आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। पंजि. सं. 34/79-80 मंत्री-हरिराम सैन

JAIPUR SMART CITY LIMITED
(Municipal Corporation Jaipur, Pt. Deen Dayal Upadhyay Bhawan,)
Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur, CIN No.U75144RJ2016SGC049590
S. No. :- JSCL/SE/2026-27/2671 Dated :- 03/06/2026
निविदा संख्या 01/2026-27 जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जयपुर
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में सक्षम एजेंसियों/संवेदकों से मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, जयपुर से संबंधित विकास कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, निविदा डाउनलोड तथा E-अपलोड करने की तारीख, निविदा शर्त आदि संपूर्ण विवरण दिनांक 04.06.2026 से राजस्थान सरकार के पोर्टल sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in/nicgep/app & jscljaipur.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का यूनिक बिड नंबर JSC2627WSOB00001, JSC2627WSOB00002, JSC2627SLOB00003 है।
राज.संवाद/सी/26/4264 अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
Sr. NO./PM E-Bus/2026-27/ 7701 Date : 02.06.2026
E NIT No 02/2026-27
नगर निगम बीकानेर द्वारा SELECTION OF SYSTEM INTEGRATOR FOR IMPLEMENTATION OF E-TICKETING SYSTEM PROJECT ON RENTAL BASIS कार्य की निविदा हेतु अनुमानित राशि 32.00 लाख रू 02 वर्ष के लिए सक्षम/पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने/सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, से निविदा पर निर्धारित प्रपत्र में ई-बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN Number : DLB2627WSOB06368
आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/4238 नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगरपालिका लूनकरनसर जिला बीकानेर
Email Id: nplunkaransar@rajasthan.gov.in
क्रमांकः-नपालू/2026-27/372 दिनांकः- 21.05.2026
ई निविदा सूचना संख्या 03/2026-27/विद्युत
नगरपालिका लूनकरनसर द्वारा विद्युत सम्बन्धित कार्य हेतु ईच्छुक/ सक्षम पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने / सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्ड शर्ते इत्यादि का सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in व WWW.SPPP.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है। तथा निविदादाता द्वारा निर्धारित अवधि तक निविदा को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
निविदा की अनुमानित लागत :- 26.99 लाख रूपये
1. UBN Code :- DLB2627WSRC05515
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/26/4214 नगर पालिका लूनकरनसर

लखपति दीदी योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम बन रही हैं- भजनलाल

खारी का लाम्बा गाँव में मुख्यमंत्री ने ग्राम विकास चौपाल में लाभार्थियों को चैक व स्वीकृति पत्र सौंपे

भीलवाड़ा/जयपुर, 5 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के कल्याण एवं सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 के बाद इन सभी वर्गों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं से बात की। वे रात्रि विश्राम खारी का लाम्बा गाँव में ही करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक सौंपे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त और सक्षम बन रही हैं। हमारी सरकार ने इस योजना में ऋण सीमा बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये एवं ब्याज घटाकर 1.5 प्रतिशत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिला प्रतिनिधित्व के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसा महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने चौपाल में पुष्पा कंवर और अन्नू को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत चैक सौंपे। इसी प्रकार हंगामी देवी, रघुनाथ को पाइपलाइन योजना एवं हेमेन्द्र सिंह को फार्म पौण्ड योजना की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की तथा अर्चना व लीला को मिनीकिट सौंपे। वहीं, चन्ता देवी जाट को कृषक सहकारी दुर्घटना में 10 लाख रुपये, अमर सिंह को ब्याजमुक्त ऋण के तहत 1.13 लाख रुपये, उमंग सीएलएफ से जुड़ी सोनू कंवर को 20 लाख एवं बजरंग बली समूह को 4 लाख रुपये एवं राजीविका महिला स्वयं सहायता समूह को 1 करोड़ 10 लाख 74 हजार रुपये से अधिक की राशि के चैक सौंपे। उन्होंने प्रभुलाल रैगर एवं अनुराधा नायक को अक्षय पोषण योजना की किट सौंपी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक जब्बर सिंह सांखला, गोपाल लाल शर्मा, उदयलाल भडाना, अशोक कुमार कोठारी, लालाराम बैरवा, गोपीचन्द मीणा, लादु लाल पितलिया, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित, बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

भारत ने गिलगिट-बाल्टिस्तान में चुनाव का विरोध किया

नई दिल्ली, 05 जून। भारत सरकार ने पाकिस्तान से 7 जून को तथाकथित 'गिलगिट-बाल्टिस्तान असेंबली' के लिए 'आम चुनाव' कराने की योजना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि चुनाव गैर-कानूनी और ज़बरदस्ती कब्ज़ा किए गए भारतीय क्षेत्र में कराये जा रहे हैं।

भारत सरकार ने अपने पुराने रुख को दोहराया है कि केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का संपूर्ण क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं। 1947 में इनका भारत में पूर्ण, कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय हो चुका है। तथाकथित 'गिलगिट-बाल्टिस्तान' इसका हिस्सा है। भारत ने इस बात पर भी जोर दिया है कि पाकिस्तान के ऐसे प्रयास पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और स्वतंत्रता से वंचित करने जैसे अंतर्निहित मुद्दों को छिपा नहीं सकते।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का भौतिक परिवर्तन लाने के प्रयास स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य हैं।

गुरमीत राम रहीम को फिर पैरोल मिली

20 साल की सज़ा के दौरान वह अब तक 16 बार पैरोल पर रिहा हो चुका है। इस बार उसे 30 दिन की पैरोल मिली है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जून। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर रोहतक की सूनरिया जेल से 30 दिनों की पैरोल मिलने के बाद रिहा किया गया है। पैरोल की मंजूरी राजय के सक्षम अधिकारी द्वारा दी गई थी। साध्वी यौन उत्पीड़न मामले में 20 साल की सजा मिलने के बाद, यह उनकी 16वीं अस्थायी रिहाई है।

■ सूत्रों के अनुसार, राम रहीम को हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिज़नर्स (टैम्परेरी रिलीज़) एक्ट 2022 के कारण मिल रही है। यह प्रति कैलेंडर वर्ष से 10 सप्ताह की रिहाई की अनुमति देता है।

स्वघोषित बाबा सुबह लगभग 6:34 बजे सूनरिया जेल से बाहर निकले, और उनके बाहर निकलने के दौरान सुरक्षा इंतजाम न्यूनतम दिखाई दिए। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए उनके वकील जितेन्द्र खुराना ने कहा, "उन्हें आज पैरोल मिली है। यह राज्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी गई है। उन्हें 30 दिनों की पैरोल दी गई है।" उन्होंने आगे कहा, "पैरोल के दौरान वे अपने डेरा सच्चा सौदा, सिरसा में रहेंगे।"

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2022 का हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स (अस्थायी रिहाई) एक्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह जैसे अपराधियों के लिए पैरोल लेना आसान बना दिया है। यह अधिनियम प्रति कैलेंडर वर्ष अधिकतम 10 सप्ताह की रिहाई की अनुमति देता है, जिसे दो हिस्सों में विभाजित किया जा सकता है, पैरोल केवल डिप्टी कमिश्नर या पुलिस अधीक्षक की रिपोर्ट और जिला मजिस्ट्रेट की सिफारिश के आधार पर। इस कानून का उपयोग करते हुए, राम रहीम ने पिछले आठ वर्षों 406 दिन में जेल के बाहर बिताए हैं। यह अधिनियम सामान्यतः "हार्डकोर दोषियों", जैसे बलात्कार या हत्या के दोषियों, को नियमित पैरोल से रोकता है।

लेकिन, इसमें एक अपवाद है कि हार्डकोर दोषी उस स्थिति में पैरोल प्राप्त कर सकते हैं, जब उन्होंने कम से कम 5 साल की सजा काट ली हो, जिसमें अंडरट्रायल के 2 साल शामिल हैं। गुरमीत राम रहीम, जिन्हें 2017 में बलात्कार और 2019 तथा 2021 में दो हत्याओं का दोषी ठहराया गया था, 2017 से जेल में हैं, इसलिए वे 5 साल की सीमा को पूरा करते हैं और 2022 के कानून के तहत, उन्हें पैरोल दिया जा सकता है।

अन्नामलाई ने "वी द पीपल" आंदोलन चलाने की घोषणा की

भाजपा छोड़ने के बाद अन्नामलाई ने कहा कि यह आम नागरिकों की भागीदारी पर आधारित आंदोलन होगा

चेन्नई, 05 जून। तमिलनाडु की राजनीति में शुक्रवार को तब एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जब भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देने के तुरंत बाद अपनी नई राजनीतिक पार्टी और आंदोलन की घोषणा कर दी।

■ भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि गत 18 माह से उनके भाजपा नेतृत्व से कई वैचारिक और कार्यशैली संबंधी मुद्दों पर मतभेद चल रहे थे।

भाजपा से अलग होने के बाद, सोशल मीडिया पर लाइव संबोधन में अन्नामलाई ने अपने नए राजनीतिक अभियान की रूपरेखा पेश करते हुए बताया कि उनके आंदोलन का नाम "वी द पीपल" होगा। उन्होंने कहा कि यह किसी व्यक्ति, परिवार या विशेष समूह का मंच नहीं, बल्कि आम नागरिकों की भागीदारी पर आधारित जन आंदोलन होगा, जिसका उद्देश्य राजनीति को जनता के अधिक निकट लाना है।

अपने संबोधन में अन्नामलाई ने खुलासा किया कि पिछले करीब 18 महीनों से भाजपा नेतृत्व के साथ कई वैचारिक और कार्यशैली संबंधी मुद्दों पर उनके मतभेद चल रहे थे। दिसंबर 2025 में ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को अपने इस्तीफे की इच्छा से अवगत करा दिया था। हालांकि, पार्टी नेतृत्व के अनुरोध पर उन्होंने चुनावी जिम्मेदारियां पूरी होने तक संगठन में बने रहने का फैसला किया।

अन्नामलाई ने कहा कि राजनीति में उनकी सोच हमेशा सिद्धांतों और जनसेवा पर आधारित रही है। उन्होंने अपने आईपीएस कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि कर्नाटक में पुलिस अधिकारी के रूप में सेवा के दौरान उन्होंने यह सीखा कि कोई भी पद, अधिकार या सत्ता स्थायी नहीं होती। उनके अनुसार, राजनीति को भी इसी दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, जहां व्यक्ति नहीं, बल्कि व्यवस्था और जनता सर्वोपरि हो।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, नई पार्टी सभी समुदायों, सामाजिक समूहों और अल्पसंख्यक वर्गों को साथ लेकर चलने की नीति अपनाएगी। पार्टी का फोकस समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करने पर रहेगा। इसी कारण इसे धर्मनिरपेक्ष और व्यापक जनाधार वाली राजनीतिक पहल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि अन्नामलाई का यह कदम तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरण पैदा कर सकता है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के रूप में उनकी प्रशासनिक पृष्ठभूमि, युवाओं के बीच लोकप्रियता और आक्रामक राजनीतिक शैली उन्हें राज्य की राजनीति में एक प्रभावशाली खिलाड़ी बना सकती है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि उनकी नई पार्टी आगामी चुनावों में किस प्रकार की रणनीति अपनाती है और राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ताकतों को कितनी चुनौती दे पाती है।

ग्रेट निकोबार प्रोजैक्ट पर राहुल गांधी ने ऑनलाइन मूवमैंट शुरू किया

राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि 72 हज़ार करोड़ रु. की यह परियोजना पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक है

नई दिल्ली, 05 जून। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर एक बार फिर 'ग्रेट निकोबार' द्वीप का मुद्दा उठाया और एक वीडियो जारी कर सरकार पर आरोप लगाया कि 72 हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना से पर्यावरण को नुकसान होगा।

राहुल ने आरोप लगाया कि परियोजना से 1.5 करोड़ पेड़ नष्ट होंगे, प्रवाल भित्तियों को नुकसान पहुंचेगा और समुदायों का विस्थापन होगा। इसमें आईएनएस बाज़ (संयुक्त सेवा कमान का हवाई अड्डा) जैसे वास्तविक रक्षा ढांचे के उन्नयन की उपेक्षा की जा रही है। इससे एक व्यवसायी को लाभ होगा। वह यहां होटल और कैसीनो बनाएगा।

■ राहुल ने कहा, कोई भी लाभ हमें वह सब नष्ट करने की अनुमति नहीं देता जिसे हम पुनः प्राप्त न कर सकें।

■ राहुल ने युवा वर्ग से मूवमैंट से जुड़ने की अपील की।

राहुल ने एक्स पर कहा, कोई भी लाभ हमें उसे नष्ट करने से रोकता है, जिसे कभी वापस नहीं पाया जा सकता। मैं पारिस्थितिक रूप से संतुलित विकास का समर्थक हूं। ये द्वीप दुनिया के सबसे असाधारण टिकाऊ पर्यटन स्थल बन सकते हैं। यही वह भारत है, जिसके लिए संघर्ष करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस विश्व पर्यावरण दिवस पर वे हर युवा भारतीय से एक सवाल पूछना चाहते हैं कि आप किस तरह का भारत विरासत में पाना चाहते हैं? साथ ही, राहुल ने एक ऑनलाइलन कैंपेन भी शुरु किया, जिसमें वे कह रहे हैं- याचिका पर हस्ताक्षर करें।

मोदी सरकार को बताएं कि हम किसे चुनते हैं। राहुल और कांग्रेस की ओर से उनकी हाल ही की ग्रेट निकोबार द्वीप की यात्रा की तस्वीरें और वीडियो जारी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि परियोजना के समर्थक इसे भारत की "एक्ट ईस्ट" रणनीति के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि आलोचक इसे पर्यावरण और जलीय जीवों के लिए खतरे के तौर पर देखते हैं।

हाई कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर रोक नहीं लगाई

नई दिल्ली, 05 जून। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 6 जून को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस सौरभ बनर्जी की अध्यक्षता वाली वेकेशन पीठ ने याचिका पर जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

■ सेव इंडिया फाउंडेशन ने 6 जून के प्रदर्शन पर रोक लगाने की याचिका लगाई थी।

सेव इंडिया फाउंडेशन नामक संगठन की ओर से दायर याचिका दायर करते हुए शुक्रवार को याचिकाकर्ता के वकील विकास शर्मा ने कॉकरोच जनता पार्टी के 6 जून को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रस्तावित प्रदर्शन को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की थी।

हाई कोर्ट ने जल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसीबी कोर्ट-1 ने 29 मई को सुबोध अग्रवाल की जमानत पर सुनवाई की थी, लेकिन फैसले से पहले ही पीठासीन अधिकारी ने हाईकोर्ट प्रशासन को केस ट्रांसफर के लिए पत्र लिख दिया था। मामले में तत्कालीन मंत्री महेश जोशी, सुबोध अग्रवाल, संजय बड़ाया, दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, डी.के. गौड़, महेन्द्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक और निरिल कुमार फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। इस प्रकरण में हाईकोर्ट ने चार आरोपियों की जमानत गत एक जून को खारिज दी थी और एक आरोपी अरुण श्रीवास्तव को मेडिकल ग्राउंड पर हाईकोर्ट से जमानत मिली है। एसीबी ने बीते दिनों पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था।

चर्चित शिक्षक खान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गार्डों ने कथित रूप से पुलिस को बताया कि उन्हें गोली चलाने के लिए कहा गया था और आश्वस्त किया गया था कि आगे की स्थिति संभाल ली जाएगी। इसी बयान के आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 सहित, अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के दौरान एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें खान सर की कोचिंग के बाहर सुरक्षा कर्मियों द्वारा हवाई फायरिंग किए जाने के संकेत मिले हैं। वीडियो और अन्य साक्ष्यों के सत्यापन के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हवाई फायरिंग की पुष्टि होने के बाद कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

इस बीच कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर पुलिस मुख्यालय और महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय स्तर पर उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में पूरे मामले की समीक्षा की गई तथा स्थिति पर लगातार नज़र रखने का निर्णय लिया गया। पुलिस ने छात्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

खड़गे ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुक्रवार को बेंगलुरु स्थित विधान सौधा में एआईसीसी अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष औपचारिक रूप से राज्यसभा के लिए अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी को पार्टी के सभी विधायकों और नेताओं का एकजुट समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आज मैंने अपना नामांकन दाखिल किया है। सभी विधायक और पार्टी के नेताओं ने मुझे उम्मीदवार के रूप में चुना है। मैं उनके विश्वास और समर्थन के लिए उनका आभारी हूं।

सरकारी बॉण्ड में निवेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश पर लागू तीन प्रतिबंधों, अर्थात् अल्पकालिक निवेश सीमा, एकाग्रता सीमा और प्रतिभूति-वार सीमा को हटाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों के बकाया स्टॉक के 6 प्रतिशत और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों (एसजीएस) के 2 प्रतिशत की समग्र मात्रात्मक निवेश सीमा को बरकरार रखा गया है। निवेश सीमाओं की उप-श्रेणियां, अर्थात् सामान्य और दीर्घकालिक, क्रमशः सरकारी प्रतिभूतियों और एसजीएस में निवेश के लिए एक ही सीमा में विलय कर दी जाएंगी।

एफ. पी. आई. को दी जा रही छूट का एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि भारतीय रिज़र्व बैंक आमतौर पर डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है, भारत से बाहर जा रहे निवेश से स्थिति और भी जटिल हो रही है।

ईरान युद्ध और उससे जुड़े आर्थिक संकटों के कारण रुपया 20 मई, 2026 को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.86 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। कभी एशिया की अपेक्षाकृत स्थिर मुद्राओं में गिना जाने वाला रुपया इस वर्ष अब सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली उभरती बाजार की मुद्राओं में से एक बन गया है। इस पर महंगे तेल, पूंजी निकासी, बढ़ते व्यापार घाटे और मजबूत अमेरिकी डॉलर का दबाव है।

फ़र्ज़ी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार हो चुका है लवकेश बजाज

नई दिल्ली, 05 जून। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टेज बीएंडबी में बुधवार सुबह लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत के बाद, होटल मालिक लवकेश बजाज को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। जांच में पता चला है कि जिस लवकेश बजाज को पुलिस ने अग्निकांड मामले में गिरफ्तार किया है, वह पिछले वर्ष भी बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी भारतीय दस्तावेज उपलब्ध कराने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

■ गत वर्ष बाँग्लादेशी नागरिकों को फ़र्ज़ी भारतीय दस्तावेज उपलब्ध कराने के मामले में पुलिस ने पकड़ा था।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2025 में पहाड़गंज थाना पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान लवकेश बजाज की भूमिका का खुलासा किया था। जांच में सामने आया था कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक फर्जी आधार कार्ड और भारतीय पासपोर्ट के सहारे दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि इन दस्तावेजों में इस्तेमाल किए गए पते का संबंध लवकेश बजाज से था। 29 जनवरी 2025 को पुलिस को सूचना मिली थी कि पहाड़गंज के संगतराशान इलाके में एक बांग्लादेशी परिवार फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रह रहा है।

प.बंगाल में भाजपा ने अपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब कलकत्ता कॉरपोरेशन के नए चुनाव होने तक संस्था का कामकाज एक एडमिनिस्ट्रेटर (प्रशसक) संभालेगा।

इस बीच, जैसे-जैसे बंगाल में जीत पक्की हो रही थी, राजनीतिक संघर्ष देश की राजधानी दिल्ली की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस के सांसद स्वयं को "वास्तविक तृणमूल" बताकर अपना अलग संसदीय समूह बनाने का दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस के 20 से 23 सांसद भाजपा के संपर्क में हैं और वे जल्द ही लोकसभा अध्यक्ष से मिलने वाले हैं।

वरिष्ठ सांसद भाजपा नेतृत्व के संपर्क में हैं और अपनी भविष्य की रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर तृणमूल कांग्रेस के कुल 42 सांसद हैं। यदि लोकसभा के 28 सांसदों में से बहुमत भाजपा के साथ आ जाता है, तो महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराना भाजपा के लिए काफी आसान हो सकता है।

तृणमूल कांग्रेस के करीब 20 सांसद लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर स्वयं को पार्टी के मुख्य संसदीय समूह के रूप में मान्यता देने की मांग करने वाले हैं।

वर्तमान में तृणमूल के लोकसभा में 28 सांसद हैं, जिनमें से 20 के एकजुट होने की खबर है। दो संभावित विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला यह कि असंतुष्ट तृणमूल सांसद सीधे भाजपा में शामिल हो जाएं। ऐसी स्थिति में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" योजना या महिला आरक्षण जैसे विधेयकों को आगे बढ़ाने में भाजपा को मदद मिल सकती है।

दूसरा विकल्प बंगाल मॉडल का है, जिसके तहत तृणमूल का यह समूह स्वतंत्र सांसदों के रूप में केन्द्र की सत्तारूढ़ पार्टी के समर्थन में भाजपा के विधेयकों के पक्ष में मतदान कर सकता है। भविष्य में क्या होगा, यह देखना बाकी है।

तृणमूल के संसदीय दल के एक वरिष्ठ सदस्य, शुभेन्दु शेखर राय ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि पार्टी के विधायक और सांसद इतनी तेजी से पार्टी नेतृत्व से दूरी बना सकते हैं। कहा जा रहा है कि रॉय को संसद में पार्टी का नेता बताया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी ने उत्तर बंगाल के मालदा दौरे के दौरान शुभेन्दु राय के पिता की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर बंगाल को भारत में बनाए रखने के लिए काम किया था, जबकि कुछ शक्तियां बंगाल को पाकिस्तान में शामिल करने की कोशिश कर रही थीं।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, नया समूह संसद में पार्टी के मौजूदा नेता अभिषेक बनर्जी पर भरोसा नहीं करता। इसके बजाय, वे अपने संसदीय दल के लिए एक नए नेता का चयन करना चाहते हैं।

पार्टी के भीतर अभिषेक बनर्जी को लेकर व्यापक असंतोष बताया जा रहा है और पार्टी को लगे हालिया राजनीतिक झटकों के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हालांकि ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से अभिषेक बनर्जी की आलोचना पर रोक लगा रखी है, फिर भी कई नेता पार्टी की विफलताओं का ठीकरा उन्हीं के सिर फोड़ रहे हैं।

सरकार बनाने के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सात बार सांसद रह चुके हैं। वर्तमान में वे देवनहल्ली विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वे सिद्धारमैया मंत्रिमंडल में मंत्री भी रह चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, ऊर्जा मंत्रालय संभाल रहे वरिष्ठ नेता के.जे. जॉर्ज इस बात से नाराज़ हैं कि उनके विभाग में अधिकारियों के तबादले उनकी सहमति के बिना किए जा रहे हैं। नई सरकार में सार्वजनिक निर्माण विभाग का प्रभार बरकरार रखने वाले मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा है कि वे कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद की भी इच्छा रखते थे और इसके लिए उन्होंने पार्टी नेतृत्व से अनुरोध भी किया था। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के निर्णय का सम्मान करेंगे।

शुक्रवार सुबह वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने विभागों के बंटवारे से नाराज़ होकर मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। रेड्डी का दावा है कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग देने का वादा किया था, लेकिन उन्हें सिंचाई विभाग आवंटित कर दिया गया। इस मुद्दे पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए रेड्डी ने घोषणा की कि अब वे मंत्रिमंडल में कोई भी पद स्वीकार नहीं करेंगे और केवल विधायक के रूप में काम करेंगे।

रेड्डी के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए डीके शिवकुमार ने उन्हें अपना "सबसे करीबी मित्र" बताया और कहा कि वे इस मामले का समाधान निकालेंगे।

रेड्डी के इस्तीफे के बाद, कांग्रेस के कई पदाधिकारियों ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। रामलिंगा रेड्डी बेंगलुरु में कांग्रेस का एक प्रमुख चेहरा हैं। रेड्डी बीटीएम लेआउट विधानसभा क्षेत्र से आठ बार विधायक चुने जा चुके हैं। इससे पहले वे, कर्नाटक सरकार में परिवहन मंत्री, तथा गृह मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

इन दो वरिष्ठ नेताओं के अलावा, वरिष्ठ नेता दिनेश गुंडू राव भी मंत्रिमंडल गठन के पहले चरण में नज़रअंदाज़ किए जाने से नाराज़ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने किसी से कुछ नहीं मांगा है, तथा उन्हें मंत्री क्यों नहीं बनाया गया, यह प्रश्न वे (पत्रकार) पार्टी से करें।

क्या संवर्धित यूरेनियम को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलने वाले रुख के अनुसार ट्रंप ने कहा कि संवर्धित यूरेनियम का मुद्दा अब "दफन" हो चुका है।

वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें अमेरिकी सेना द्वारा इस मामले में कार्रवाई करने का विचार पसंद नहीं है। ट्रंप की यह नई टिप्पणी उनके पहले के रुख से कुछ अलग है। इससे पहले वे बार-बार कहते रहे थे कि ईरान को अपने उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम के भंडार को रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे हटाना या नष्ट करना अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की प्रमुख शर्त थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यदि दोनों देशों के बीच समझौता हो जाता है, तो ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलकर वो सम्मानित महसूस करेंगे।

ईरानी नेता के साथ संभावित बैठक के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, "मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुलाकात होती है तो उनके साथ मिलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।" मोजतबा खामेनेई के पिता और पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इज़राइल युद्ध की शुरुआत में मारे गए थे। ट्रंप ने आगे कहा, "मैं देखना चाहूंगा कि क्या हम कोई समझौता कर पाते हैं। अगर समझौता हो जाता है, तो यह संभव है कि मैं उनसे मिलूं।" 54 वर्षीय इस्लामी धर्मगुरु मोजतबा खामेनेई को उनके पिता की मृत्यु के बाद ईरान का सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी और इज़रायली बलों द्वारा मोजतबा खामनेई के परिवार के कई सदस्यों को निशाना बनाए जाने के बावजूद, उन्हें (ट्रंप को) उम्मीद है कि खामेनेई "प्रोफैशनल रूख" अपनाएंगे।

ट्रंप ने कहा, "हमने उनके पिता, उनकी पत्नी और उनके बेटे को मार दिया, इसलिए शायद मैं उनका पसंदीदा व्यक्ति नहीं हूं... लेकिन कुछ हलकों में उनकी काफी अच्छी प्रतिष्ठा है।"

जब उनसे पूछा गया कि ईरानी नेता के साथ उनकी संभावित मुलाकात कहां हो सकती है, तो ट्रंप ने कहा, "मैंने वास्तव में इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं सुना है। मैंने यह सुझाव नहीं दिया, लेकिन कुछ लोगों ने इसका सुझाव दिया है।"

ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान से संवर्धित यूरेनियम (एनरिच्ड यूरेनियम) प्राप्त करने के लिए अमेरिका को किसी समझौते की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, "हम इसे अभी भी हासिल कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि अगर हम चाहें तो वे हमें रोक सकते हैं, लेकिन इसकी कोई जरूरत नहीं है। यह अब दफन हो चुका है।"

साइबर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक जुड़े हो सकते हैं। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि साइबर अपराधियों तक सिम कार्ड पहुंचाने वाले गिरोह का संचालन किस स्तर पर किया जा रहा था और इससे अर्जित धनराशि को किस प्रकार ठिकाने लगाया गया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908